डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -125 | प्रयागराज ,सोमवार,24,जुलाई, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

सिंगल यूज प्लास्टिक को टाटा बाय-बाय बोलेगा असम

(आधुनिक समाचार सेवा)
गुवाहाटी। असम सरकार इस साल 2 अक्टूबर से 1 लीटर से कम मात्रा वाली पॉलीथीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) से बनी पीने के पानी की बोतलों के उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध लगाएगी। असम सरकार ने इस साल 2 अक्टूबर से राज्य में

सिंगल यूज (एकल-उपयोग) प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में शुक्रवार को गुवाहाटी के जनता भवन में आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सरमा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा सरमा ने आगे कहा कि राज्य सरकार अगले साल 2 अक्टूबर से 2 लीटर से कम मात्रा वाली पीईटी से बनी पीने के पानी की बोतलों के उत्पादन और उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने 130 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर मुख्यमंत्री दक्ष पोहर सोनी और मुख्यमंत्री संचय पोहर असोनी योजना के तहत असम में लगभग 50 लाख निम्न वर्ग वाले घरों में चार 9-वाट एलईडी बल्बों का मुफ्त वितरण करने का निर्णय लिया है।असम के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस साल सितंबर में मुख्यमंत्री से लेकर सभी कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक और 5000 चयनित सरकारी अधिकारी राज्य के जनगणना गांवों में 3-15 दिन बिताएंगे और 15 कल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को मिल रहे लाभों की निगरानी करेंगे और गांवों में रहने के दौरान ग्रामीणों को होने वाली समस्याओं को समझेंगे।

केरल हाई कोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश बने आशीष देसाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
तिरुवनंतपुरम। न्यायमूर्ति आशीष जे देसाई ने शनिवार को केरल हाई कोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वह न्यायमूर्ति एस वी भट्टी का स्थान लेंगे, जिन्हें हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया था। न्यायमूर्ति देसाई गुजरात हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। राजभवन में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने न्यायमूर्ति देसाई को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

राज्यपाल के अलावा, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, कानून मंत्री पी राजीव, मुख्य सचिव वी वेणु और वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारी भी समारोह के दौरान उपस्थित थे। बता दें, केंद्र सरकार ने 12 जुलाई को केरल के मुख्य न्यायाधीश एस वेंकटनारायण भट्टी के साथ-साथ तेलंगाना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के नाम को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में मंजूरी दी थी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसकी घोषणा की थी। 14 जुलाई को दोनों जजों ने ली शपथ मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने पांच जुलाई को शीर्ष अदालत में जज के रूप में दोनों की नियुक्ति की सिफारिश की थी। दोनों जजों को 14 जुलाई को मुख्य न्यायाधीश ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

पीएम मोदी कर्नाटक और राजस्थान का दौरा कर सकते हैं, लेकिन मणिपुर का नहीं' गहलोत ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को जयपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मणिपुर हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संसद के मानसून सत्र से पहले पीएम मोदी ने अपने बयान से राजस्थान की भावनाओं को आहत किया गहलोत ने कहा कि कहा कि जिस तरह से पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ के सीएम को राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति का ध्यान रखना चाहिए, उससे

राजस्थान की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि जनता प्रधानमंत्री की विफलताओं से दुखी है अशोक गहलोत ने कहा कि अगर पीएम मोदी मणिपुर नहीं जा सकते तो उन्हें एक बैठक बुलानी चाहिए थी और मणिपुर के हालात की समीक्षा करनी चाहिए थी। मैंने पहली बार देखा है कि कोई प्रधानमंत्री चुनाव के लिए कर्नाटक, राजस्थान और अन्य जगहों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर का नहीं राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर में भाजपा की सरकार है। सोचिए अगर कांग्रेस वहां सत्ता में होती तो वे क्या-क्या कहते। राजेंद्र सिंह गुढ़ा को मंत्री पद से बर्खास्त किए जाने के सवाल पर अशोक गहलोत ने कहा कि यह हमारी पार्टी का अंदरूनी मामला है। इस पर हम अपने हिसाब से चर्चा करते हैं।

मणिपुर वीडियो मामले में अब तक पांच आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न अवस्था में परेड कराने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने वाले पांच आरोपियों को अब तक गिरफ्तार कर लिया गया है। इस

बात की जानकारी मणिपुर पुलिस ने ट्वीट शेयर करते हुए दी है। साथ ही, मणिपुर पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। मणिपुर के भयावह 'महिलाओं को निर्वस्त्र करने और परेड कराने' के मामले में 19 वर्षीय आरोपी को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार करने के बाद कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान युमलेम्बम नुंगसिथोई के रूप में की गई है। मामले में संलिप्तता को लेकर मुख्य आरोपी हुइरेम हेरोदास मैतेई समेत चार अन्य को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। वायरल वीडियो में दिखने वाले एक दर्जन संदिग्धों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि वह व्यक्तिगत रूप से तलाशी अभियान की निगरानी कर रहे हैं। सीएम बीरेन सिंह ने बताया कि अब भी लोगों में आक्रोश है और कई जगहों पर शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन चल रहा है। राज्य सरकार ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि लोग किसी भी तरह के अफवाहों पर यकीन न करे। लोगों के लिए निराधार वीडियो के प्रसार की पुष्टि करने के लिए एक ठअफवाह मुक्तठ हेल्पलाइन नंबर - 9233522822 - जारी किया गया है। इसमें लोगों से लूटे गए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक पुलिस या निकटतम सुरक्षा बलों को लौटाने की भी अपील की गई।

एटीएस की पूछताछ के बाद अब सीमा हैदर पड़ी बीमार, घर पर ही चढ़ रहा ग्लूकोज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। पाकिस्तान की सीमा हैदर अब यूपी एटीएस समेत सभी जांच एजेंसियों के रडार पर है। सीमा काफी बढ़ गया है, ऐसे में खबर है कि सीमा की तबीयत गर्मी के चलते खराब हो गई है। जानकारी के अनुसार गर्मी की वजह से सीमा

हैदर से बीते हफ्ते एटीएस ने पूछताछ की थी इसके बाद सीमा और सचिन अपने घर से नहीं निकले हैं। अब बताया जा रहा है कि सीमा की तबीयत खराब हो गई है। बीते दो दिन से दिल्ली-एनसीआर में तापमान और उमस की तबीयत बिगड़ गई है और स्थानीय डॉक्टर द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों ने बताया गर्मी के कारण उसका ब्लड प्रेशर भी डाउन हो गया है। उसे घर पर ही ग्लूकोज की ड्रिप चढ़ाई जा रही है।

दिल्ली में फिर बाढ़ का खतरा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। देश के ज्यादातर राज्यों में बारिश से हाहाकार मचा है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो रखी है। महाराष्ट्र के कई इलाकों में मौसम विभाग ने आज फिर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुंबई में तो सड़कें तालाब बन गई हैं। वहीं, पालघर आज फिर रेज अलर्ट पर है। मौसम विभाग द्वारा भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी किए जाने के मद्देनजर पालघर और ठाणे में स्कूलों को शनिवार को बंद घोषित कर दिया गया है।

70 हजार युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र, कांग्रेस पर तीखे वार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले में 70,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। यह

भर्ती सरकारी विभागों और संगठनों में हुई है। पीएम ने इस मौके पर कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में जब देश विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है, आपका सरकारी नौकरी में आना बहुत बड़ा अवसर है। ये आपके परिश्रम का परिणाम है। पीएम मोदी ने आज रोजगार मेले में 70000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। पीएम ने इस मौके पर कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में जब देश विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है आपका सरकारी नौकरी में आना बहुत बड़ा अवसर है। पीएम ने कहा कि आज का दिन देश के लिए भी यादगार है।मोदी ने आगे कहा कि भारत सिर्फ 9 वर्षों में दुनिया की 10वीं अर्थव्यवस्था से 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बना गया है। आज हर विशेषज्ञ ये कह रहा है कि कुछ ही वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्था में शामिल हो जाएगा।पीएम ने कहा कि ये भारत के लिए असामान्य सिद्धि बनने वाला है। इसका मतलब हर सेक्टर में रोजगार बढ़ने वाला है और हर व्यक्ति की आय भी बढ़ने वाली है।दुनिया में बढ़ी भारत की साखमोदी ने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में सभी देशवासियों ने अगले 25 वर्ष में भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। जैसे आपके जीवन में अगले 25 साल महत्वपूर्ण हैं वैसे ही भारत के लिए अगले 25 साल बहुत ही अहम हैं।पीएम ने कहा कि आज दुनिया में भारत के प्रति जो विश्वास और आकर्षण बना है, भारत की महत्वता बनी है, हम सबको मिलकर इसका पूरा लाभ उठाना है।कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी अर्थव्यवस्था में बैंकिंग सेक्टर की भूमिका का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि आज भारत उन देशों में से एक है, जहां का बैंकिंग सेक्टर सबसे मजबूत माना जाता है। मगर 9 वर्ष पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। जब सत्ता का स्वार्थ राष्ट्रहित पर हावी होता है, तब कैसी बर्बादी होती है, इसके देश में कई उदाहरण हैं। पीएम ने कहा कि हमारी बैंकिंग सेक्टर ने तो पिछली सरकार के दौरान इस बर्बादी को महसूस किया है।

पीएसआई भर्ती घोटाले की न्यायिक जांच के आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
तमिलनाडु। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पिछली भाजपा सरकार के दौरान हुई 545 (पुलिस सब इंस्पेक्टर) की अवैध सीधी भर्ती की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। पूर्व न्यायाधीश बी वीरप्पा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है और तीन महीने के भीतर एक रिपोर्ट पेश की जानी है। अक्टूबर, 2021 में कर्नाटक पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया खा।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छत्तीसगढ़ की आइ ए एस रानू साहू गिरफ्तार, ईडी ने कांग्रेस नेता के ठिकानों पर भी मारा छापा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में 18 स्थानों पर

तलाशी अभियान चलाने के बाद आईएएस अधिकारी रानू साहू को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी ने यह कार्रवाई नए मनी लॉन्ड्रिंग मामले के सिलसिले में की। सूत्रों ने दावा किया कि पीएमएलए मामला कथित चावल घोटाले से जुड़ा हो सकता है साहू के अलावा ईडी की टीम ने प्रदेश कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल के परिसरों की भी तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान ईडी टीमों को सीआईएसएफ कर्मियों द्वारा सहायता प्रदान की जा रही थी। शुक्रवार को ईडी ने रायपुर के देवेंद्र नगर में अग्रवाल और साहू के परिसरों की तलाशी ली। ईडी की एक और टीम कोरबा नगर निगम कमिश्नर प्रभाकर पांडे के ठिकाने पर देखी गई। दरवाजे पर ताला लगा हुई छानबीन छापेमारी के दौरान सीआईएसएफ जवानों ने किसी को भी घर के अंदर नहीं जाने दिया। मुख्य दरवाजे पर ताला लगा दिया गया और फिर ईडी की टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। 18 जुलाई को शीर्ष अदालत ने ईडी को 2,000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले की गहन जांच करने का निर्देश दिया था।

नाबालिग की हथौड़े से मारकर ली जान, फिर बहन के साथ किया दुष्कर्म

(आधुनिक समाचार सेवा)
इडुक्की। केरल के इडुक्की की एक विशेष पॉक्सो अदालत (झ्ध्ण्ध् ण्दृ्) ने शनिवार को एक 44 वर्षीय शख्स को अपने रिश्तेदार, एक नाबालिग लड़की की हत्या के लिए मौत की सजा सुनाई। वहीं, 2021 में अपनी नाबालिग बहन के साथ दुष्कर्म करने के लिए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। केरल के इडुक्की जिले की विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग लड़की की हथौड़े से मारकर हत्या और उसकी बहन के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को मौत की सजा सुनाई है। विशेष अदालत ने वेल्लाथुवल पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में यह सजा सुनाई है। आरोपी पर पीड़िता की मां और दादी को गंभीर रूप से घायल करने का भी आरोप है। मामला 2021 का है। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (झ्ध्ण्ध्) के तहत अपराधों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत ने वेल्लाथुवल पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में इडुक्की निवासी सुनील कुमार को सजा सुनाई। सुनील पर तीन अक्टूबर, 2021 की रात को पीड़ितों की मां और दादी को गंभीर रूप से घायल करने का भी आरोप है। हथौड़े से मारकर ली नाबालिग की जान अभियोजन पक्ष ने कहा कि परिवार के प्रति शत्रुता रखने वाले शख्स ने नाबालिग लड़की के घर में प्रवेश किया और उसे हथौड़ा से पीटकर मार डाला। उसने उसकी मां को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाद में वह पास के घर में गया, जहां मृतक बच्चे की दादी और बड़ी बहन सो रही थीं और उन पर हमला कर दिया। 14 साल की लड़की के साथ किया दुष्कर्म शख्स ने दादी के साथ बेरहमी से मारपीट की और 14 साल की लड़की के साथ दुष्कर्म किया। घटना तब सामने आई जब बच्चे ने भागकर पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी। नाबालिग लड़की की हत्या मामले में आरोपी को मौत की सजा दी गई, जबकि दुष्कर्म और हमले के अन्य मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

असम पुलिस ने बरामद किया 5 करोड़ रुपये का ड्रग

(आधुनिक समाचार सेवा)
असम। असम के नागांव शहर में लगभग 5 करोड़ रुपये मूल्य की बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं बरामद की और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी गई है। फिलहाल, मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, नागांव जिला पुलिस की एक टीम ने शुक्रवार को नागांव शहर के क्रिश्चियन बस्ती इलाके में एक अभियान चलाया और 800 ग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की। नागांव जिले के पुलिस अधीक्षक नबनीत महंत ने कहा, ठहमने गुप्त सूचना के आधार पर क्रिश्चियन बस्ती इलाके में ऑपरेशन शुरू किया।

सीएम सिद्दरमैया के खिलाफ बगावत पर उतरे कांग्रेस एमएलसी, बोले- मुझे सीएम को गद्दी से उतारना आता है

(आधुनिक समाचार सेवा)
बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस की अंदरूनी कलह अब सामने आने लगी है। कैबिनेट में जगह पाने से चूक गए कांग्रेस एमएलसी और प्रभावशाली नेता बी.के. हरिप्रसाद

ने आज खुलकर मुख्यमंत्री सिद्दरमैया को बागी तेवर दिखाए हैं। उन्होंने सीएम को चुनौती दी और पिछड़े वर्गों से उनके खिलाफ साजिश को जानने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। कांग्रेस एमएलसी और प्रभावशाली नेता बी.के. हरिप्रसाद ने आज खुलकर मुख्यमंत्री सिद्दरमैया को बागी तेवर दिखाए हैं। उन्होंने सीएम को चुनौती दी और पिछड़े वर्गों से उनके खिलाफ साजिश को जानने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। आरएसएस और हिंदुत्व के खिलाफ हमलावर भाषण देने वाले हरिप्रसाद कैबिनेट पद की आस में थे। इसी का दर्द आज सामने आया है।गांधी परिवार के करीबी हरिप्रसाद का भाषण कर्नाटक के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण हो गया है। वह शुक्रवार को एक निजी होटल में एडिगा, बिलावा और दिवारा जाति के सामुदायिक नेताओं की बैठक में बोल रहे थे। पहले ही वरिष्ठ नेताओं में से एक शिवकुमार का सीएम के खिलाफ बगावत का झंडा लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को चिंता में डाल रहा था और अब कांग्रेस के लिए नई मुसीबत खड़ी हो सकती है। हमलावर भाषणों के लिए जाने जाते हैं हरिप्रसाद हरिप्रसाद प्रभावशाली एडिगा समुदाय से हैं और वर्तमान में विधान परिषद में विपक्ष के नेता के रूप में काम करते हैं। आरएसएस और हिंदुत्व के खिलाफ हमलावर भाषणों के लिए जाने जाने वाले हरिप्रसाद प्रमुख कैबिनेट पद की आस में थे। इसी का दर्द बयां करते हुए बैठक में उन्होंने कहा, हरिप्रसाद ने आगे कहा कि वह पदों के लिए भीख नहीं मांगेंगे और लड़ाई लड़ेंगे। हरिप्रसाद ने आगे कहा कि 11 विधानसभा सीटों पर एडिगा, बिलावा और दिवारा समुदाय निर्णायक स्थिति में हैं। वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि सिद्दरमैया धार्मिक मठाधीशों से कह रहे हैं कि समुदाय से पहले से ही एक मंत्री है और दूसरे की कोई जरूरत नहीं है। हमें संगठित होना होगा, नहीं तो हमारा शोषण होगा।

माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता की तलाश में आजमगढ़ में एटीएस- एसटीएफ की दबिश, नकाबपोश महिला हिरासत में

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन की तलाश में आजमगढ़ जिले के अमनाबाद व बिलारमऊ सहित कई गांवों में शुक्रवार की सुबह एसटीएफ, एटीएस और जौनपुर के शाहगंज की पुलिस ने छापा मारा। टीम एक महिला को पूछताछ के लिए साथ ले गई। हालांकि आजमगढ़ पुलिस ने ऐसी किसी कार्रवाई के प्रति अनभिज्ञता जताई है। शाइस्ता के आजमगढ़ में छिपे होने की सूचना मिलने पर एसटीएफ, एटीएस और शाहगंज की पुलिस अमनाबाद पहुंची टीम ने शक के आधार पर एक नकाबपोश महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए साथ ले गई। महिला का हुलिया शाइस्ता परवीन से मिल रहा है। यह पिछले कुछ दिनों से यहां अपने एक परिचित के घर रह रही थी। शाइस्ता परवीन प्रयागराज के उमेश पाल हत्याकांड में नामजद है। जांच एजेंसियाँ लगातार उसकी तलाश में दबिश दे रही हैं। पुलिस की ओर से शाइस्ता पर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया गया है। शाहगंज सीओ शुभम टोडी और फूलपुर कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने ऐसी किसी कार्रवाई के प्रति अनभिज्ञता जताई। हालांकि ग्रामीण कार्रवाई की पुष्टि कर रहे हैं।

प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण जन अभियान-2023 कार्यक्रम के अवसर पर जनपद प्रयागराज में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर लगभग 64 लाख पौधों का किया गया रोपण मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने हरिशंकरी वाटिका का किया पौधरोपण पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाये रखने के लिए सभी लोग करें पौधरोपण वृक्षारोपण कार्यक्रम को जनआंदोलन बनाने की लोगो

से की अपील मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने वृक्षारोपण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों, ग्राम प्रधानों, वन रक्षकों, एन0सी0सी0 के बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण जन अभियान-2023 कार्यक्रम के अवसर पर जनपद प्रयागराज में शनिवार को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत मुख्य कार्यक्रम सरदार बल्लभ भाई पटेल 100 शैया अस्पताल, भगवतपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने हरिशंकरी वाटिका का पौधरोपण किया। आयोजित कार्यक्रम में मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने वहां पर उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज पूरे प्रदेश व प्रयागराज के लिए ऐतिहासिक दिन है। इसके लिए आप सभी लोग बधाई के पात्र है। आज हम सबके सामने वन और जल को बचाने की चुनौती है, अगर हमें आने वाली पीढ़ियों को बचाना है, तो हमें पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर रखना होगा, जिसके लिए हमें बड़े पैमाने पर पौधरोपण करना होगा। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि पौधों का रोपण ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उनकी देखभाल करना भी महत्वपूर्ण है। जिस प्रकार घर का कोई सदस्य बीमार पड़ जाता है, तो घर के अन्य सदस्य पूरी जिम्मेदारी के साथ उसकी देखरेख करते है, उसकी सेवा करते है, उसी प्रकार आप लोगो के द्वारा लगाए गये पौधों को भी आपके विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। प्रदेश सरकार इतने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर वन क्षेत्र को बढ़ाने का प्रयास कर रही है, जिसमें आप सभी लोगो के जनसहभागिता की विशेष आवश्यकता होगी। उन्होंने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को जनआंदोलन के रूप में लेने के लिए लोगो से अपील की। कहा कि आज हम सभी लोग यह प्रण लें कि रोपित किए गए पौधों की रक्षा करेंगे। उन्होंने लोगो से अपने घर के सदस्यों के नाम पर भी एक-एक पेड़ लगाने एवं उनकी देखभाल करने को कहा। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर वृक्षारोपण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चो, ग्राम प्रधान, वन रक्षकों, एन0सी0सी0 के बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मा0 महापौर श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, मा0 विधायक शहर पश्चिमी श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री अवधेश चन्द्र गुप्ता, पूर्व विधायक दीपक पटेल ने भी वृक्षारोपण किया। प्रभागीय वनाधिकारी श्री महावीर कोलागजी ने बताया कि आज वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर जनपद प्रयागराज में लगभग 64 लाख पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगणों के अलावा जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, मुख्य विकास अधिकारी श्री गौरव कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारीगणों सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रमुख सचिव/नोडल अधिकारी प्रयागराज श्री आर0 रमेश कुमार, जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने 100 शैया अस्पताल, भगवतपुर में वृहद वृक्षारोपण जन अभियान-2023 के अवसर पर वृक्षारोपण किया।

निरंजन पुल के चल रहे विस्तारीकरण का कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। दिनाक 22.07.2023 को महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार ने निरंजन पुल के चल रहे विस्तारीकरण का कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए निरंजन पुल के निकट के क्षेत्रों को सौंदर्यीकृत करने को भी कहा। उन्होंने सौंदर्यीकरण के कार्य को राज्य सरकार के संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए करने की बात कही ताकि रेलवे परिक्षेत्र और राज्य सरकार के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण एक साथ और एक समान हो सके। इस दौरान उन्होंने कहा की कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने निरंजन पुल की लंबाई बढ़ जाने के कारण आमजनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुल के अंदर लाइट लगाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा सूबेदारागंज में बन रहे रेल फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने चल रहे कार्यों की तकनीकी पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया और अधिकारियों से विचार विमर्श किया। महाप्रबंधक महोदय ने कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण श्री मंजुल माथुर, अपर मंडल रेल प्रबंधक/ इंफ्रा श्री नवीन प्रकाश सहित मुख्यालय,प्रयागराज मंडल एवं निर्माण शाखा के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज नहीं खुल पा रहा युवक की हत्या का राज, आरोपी गिरफ्तार लेकिन रहस्य बरकरार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। दूर सोरांव इलाके में एक गांव सराय दत्ते कि जहां आज से नौ दिन पहले अवधेश नाम के युवक की हत्या कर दी गई। 25 वर्षीय अवधेश को कत्ल से पहले शाम को उसके तीन साथी दावत के नाम पर घर से बुलाकर ले गए थे। फिर अवधेश रात में घर नहीं लौटा। सुबह उसकी लाश मिली। घर से करीब आधा किलोमीटर दूर एक पेड़ के नीचे अवधेश का रक्तरंजित शव देखकर भीड़ लगी तो खबर पाकर उसके परिवार के लोग भी आ गए। चीख-पुकार मची तो सोरांव थाने की पुलिस भी आकर छानबीन में जुटी। अवधेश की पत्नी अंजली ने आरोप लगाया कि घर से दावत के बहाने बुलाकर ले जाने वाले तीन लोगों अनूप, आलोक, संदीप ने उसे मारकर फेंक दिया है। परिवार के लोग आरोप लगाते रहे कि भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी सुरेंद्र चौधरी के कार ड्राइवर का भतीजा अनूप इस हत्याकांड में शामिल है। वहीं अपने दो साथियों आलोक और संदीप के साथ अवधेश को घर से बुलाकर ले गया था। पुलिस ने अनूप समेत तीनों आरोपियों को पकड़ लिया, अगले कई दिन तक उनसे पूछताछ होती रही ये तीनों यह बात स्वीकार करते रहे कि वे अवधेश को घर से बुलाकर ले गए थे। साथ में शराब भी पी लेकिन उनका कहना था कि आधी रात अवधेश उन्हें छोड़कर चला गया था। फिर उसके साथ क्या हुआ यह नहीं जानते हैं। कत्ल में नामजद तीनों आरोपी खुद को बेकसूर बताते रहे, लेकिन पुलिस के सामने समस्या आई कि उन तीनों के अलावा कोई और संदिग्ध या कातिल भी जांच में नहीं उभर कर सामने आया। ऐसे में पुलिस ने बिना किसी सबूत और इकबाल के जुर्म के ही तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि अभी जांच चल रही है। जैसे साक्ष्य आएंगे वैसे कोर्ट में पेश किए जाएंगे।

प्रयागराज करछना में बिजली का खम्भा तोड़ते हुए गोवंशों से भरी डीसीएम पलटी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज के यमुनानगर में करछना थाना के पचदेवरा में निर्माणाधीन ओवरब्रिज

के समीप रविवार सुबह अनियंत्रित होकर बिजली सप्लाई के लगे खम्भे व तार को तोड़ते हुए गड्ढे में गोवशों से भरी डीसीएम ट्रक पलट गयी जिससे हड़कंप मच गया। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने करछना थाने में दी। सूचना पाकर मौके पर पहुँचे प्रभारी निरीक्षक करछना नरेंद्र कुमार समेत पुलिस फोर्स ने आनन-फानन में दो जेसीबी बुलाकर डीसीएम को किसी तरह टोचन कराकर बाहर निकाला जिस पर लगे तिरपाल को मौजूद ग्रामीणों के हटाने पर भूसे की तरह एक के ऊपर एक करके समूचा डीसीएम गोवंशों से भरा हुआ था जिसे पुलिस ने अपने कस्टडी में लेकर गौशाला में गौवंशों को सुपुर्द करने की बात कही। वहीं घटना के बाद डीसीएम चालक व क्लीनर भागने में सफल रहे। ग्रामीणों व स्थानीय लोगों की मानें तो करछना थाने के ही एक होमगार्ड के द्वारा बाईक से डीसीएम का पीछा किया गया था। जिससे बचने के लिए डीसीएम चालक ने ट्रक को तेज रफ्तार में भगाया और अनियंत्रित होने के चलते घटना घट गयी। भूसे की तरह भरे गोवंशों के थाने के सामने से निकलना व होमगार्ड द्वारा पीछा करने पर पलटने से चर्चा का विषय बना हुआ है। सूत्रों की मानें तो उक्त होमगार्ड अवैध वसूली में माहिर है और आए दिन वाहनों से वसूली करता है। उक्त गोवंश से भरी डीसीएम गौहनिया की तरफ से पचदेवरा की तरफ जा रही थी। मजे की बात तो यह है कि उक्त डीसीएम पर क्रूरता पूर्वक लादकर ले जाए जा रहे गोवंशों पर स्थानीय थानों व पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों की नज़र नहीं पड़ी या फिर पुलिसकर्मियों की मदद से उक्त डीसीएम निकल कर भाग रहा था।

सीबीआई ने ड्रग्स तस्करी में कारोबारी को प्रयागराज से उठाया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को प्रयागराज में बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में छापा मारकर इंडिया इलाके के बरौत से एक कारोबारी को उठा लिया। पता चला है कि सीबीआई उसे दिल्ली ले जाकर पूछताछ और छानबीन कर रही है। ऐसी जानकारी मिली है कि वह ड्रग्स तस्करी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ा है। अभी इसकी जांच हो रही है। सीबीआई के साथ धरपकड़ में एसटीएफ और इंडिया पुलिस भी शामिल रही इस गिरोह से जुड़े कई अन्य लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। सीबीआई को इंटरपोल के जरिए विमान से ड्रग्स तस्करी के नेटवर्क का इनपुट मिला था। सूचना मिली कि ड्रग्स का एक पैकेट पार्सल के जरिए इंडिया के बरीत में अनिल यादव और मोहित जायसवाल के नाम पर भेजा गया है। इस सूचना पर सीबीआई ने दिल्ली से आकर एसटीएफ और इंडिया पुलिस के साथ बरौत में छापा मारा। वहां सीबीआई ने इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों के कारोबारी मोहित जायसवाल को पकड़ लिया। मोहित को साथ ले गई सीबीआई दरअसल, जिस अनिल यादव के नाम पर पार्सल आया था, वह व्यापारी मोहित का कार ड्राइवर है मोहित को सीबीआइ अपने साथ ले गई जबकि अनिल यादव अभी मिला नहीं है। इन दोनों का नशीले पदार्थों की तस्करी में कैसी संलिप्तता है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। स्थानीय पुलिस के साथ ही एसटीएफ भी इस नेटवर्क को खंगाल रही है।

प्रयागराज छात्र की पिटाई से गुस्साए अभिभावक ने शिक्षक को फावड़े से पीटा, मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। कक्षा में शोर मचा रहे छात्र को पीटने सेआक्रोशित छात्र के अभिभावक ने स्कूल पहुंचकर शिक्षक की फावड़े से जमकर पिटाई

कर दी। इससे टीचर के हाथ में चोटे आई हैं। विद्यालय के अन्य स्टाफ के द्वारा बीच बचाव कर किसी तरह से शिक्षक की जान बचाई गई। क्लास में घुसकर टीचर की पिटाई का पूरा वीडियो विद्यालय से सीसीटीवी में कैद हो गया है। सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने आरोपी अभिभावक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। करछना थाना क्षेत्र के भुंडा चौकी अंतर्गत जीएस एकेडमी धरवारा में शिक्षक अर्पित तिवारी शुक्रवार कक्षा में बच्चों को पढ़ा रहे थे। इस दौरान बच्चे जमकर शोरगुल मचा रहे थे। जिसे शांत कराने के लिए शिक्षक अर्पित तिवारी ने कई बार मना किया, एक छात्र नहीं मान रहा था। इसके बाद शिक्षक ने डंडे से उसे मार दिया। जिससे बच्चे के दाहिने हाथ में चोट लग गई। बच्चे के घर जाने पर इसकी जानकारी होने पर छात्र के घर से अनिकेत सिंह उर्फ गुडलक पुत्र शशी सिंह निवासी धरवारा ने कक्षा के अंदर घुसकर शिक्षक अर्पित तिवारी पर फावड़े से हमला कर दिया। जिससे उनके हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोट आई। विद्यालय में मौजूद स्टाफ ने बीच-बचाव करके किसी तरह से शिक्षक की जान बचाई। यह मामला शुक्रवार को दोपहर का है। करछना पुलिस ने 24 घंटे बीत जाने के बाद भी मुकदमा नहीं दर्ज किया। पूरी घटना विद्यालय के सीसीटीवी में कैद हो गई। वीडियो जब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा तो पुलिस के होश उड़ गए। हरकत में आई पुलिस ने अनिकेत सिंह गुडलक पुत्र शशी सिंह पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

आधुनिक गेस्ट हाउस

विशेषताएं -
- पूर्णत: वाटर प्रूफ (टीन शेडेड)
- गेस्ट हाउस के भीतर ही पार्किंग की सुविधा
- गेस्ट हाउस के भीतर ही मन्दिर
- सम्पूर्ण गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे की सुविधा
- छोटे-बड़े समस्त कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग रेट
- लगभग 45000 sq. ft. एरिया के हरे-भरे वातावरण में विस्तृत गेस्ट हाउस

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औद्योगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज
बुकिंग सम्पर्क सूत्र 8816897337, 9415608783, 9415608710
SATYAM # 9305124298

विनीत कुमार श्रीवास्तव ने नये मण्डल रेल प्रबन्धक वाराणसी का कार्यभार संभाला

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। विनीत कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मण्डल के नये मण्डल रेल प्रबन्धक का कार्यभार ग्रहण किया। इसके पूर्व विनीत कुमार श्रीवास्तव उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज में मुख्य

इंजीनियर रेल संरक्षा कार्य के पद पर कार्यरत थे।श्री श्रीवास्तव ने बैचलर ऑफ सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री आई.आई.टी. रुड़की एवं एम.टेक. आई.आई.टी. दिल्ली से किया है। नवागत मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी विनीत कुमार श्रीवास्तव इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ़ इंजीनियर्स के माध्यम से वर्ष 1993 में रेल सेवा में आये और प्रशिक्षण के उपरांत अपने कैरियर की शुरुआत भारतीय रेलवे में सहायक मंडल इंजीनियर के पद से की। इसके उपरान्त आपने उत्तर रेलवे में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर,उप मुख्य सतर्कता अधिकारी,उपमुख्य इंजीनियर (निर्माण)अनुसन्धान अभिकल्प एवं मानक संगठन (अध्) लखनऊ में कार्यकारी निदेशक एवं निदेशक के पद पर कार्य सफलतापूर्वक कार्य किया है। नवागत डीआरएम विनीत कुमार श्रीवास्तव को आधारभूत संरचनाओं के निर्माण कार्यों के गहन अनुभव के अलावा सामान्य प्रशासन में भी कार्य करने का गहन अनुभव है, आप रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच समान रूप से लोकप्रिय है। इस आशय की जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को दी है।

ब्लाक संसाधन केंद्र चाका प्रयागराज पर मेडिकल असैसमैंट कैम्प का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज के निर्देशन में दिनाँक 22 जुलाई, 2023 को ब्लाक संसाधन केंद्र चाका, प्रयागराज पर विशिष्ट आवश्यकता वाले (दिव्यांग) बच्चों हेतु मेडिकल असैसमैंट कैम्प का आयोजन किया गया, जिसका प्रचार प्रसार खंड शिक्षा अधिकारी चाका एवं जिला समन्वयक राजीव त्रिपाठी द्वारा एक सप्ताह पूर्व से किया जा रहा था, बच्चों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी पूर्व से कराये जा रहे रहें। उक्त कैम्प में डॉ सुभाष चन्द्र नेत्र सर्जन, डॉ जयशंकर पटेल चिकित्सक/साइकोलॉजिस्ट, डॉ संकल्प शुक्ल ऑडियोलॉजिस्ट, डॉ के0के0 सिंह ऑर्थोसर्जन, डॉ प्रकाश नाथ, शनि सिंह कम्प्यूटर ऑपरेटर, डॉ राजेन्द्र यादव, डॉ रेखा त्रिपाठी स्पेशल एजुकेटर, प्रदीप श्रीवास्तव स्पेशल एजुकेटर आदि द्वारा कैम्प कार्य का निष्पादन किया गया।

प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण अभियान के लक्ष्य पूर्ति के लिये वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । प्रदेश के राज्यमंत्री कारागार, अपर मुख्य सचिव व जिलाधिकारी के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर आयोजित कार्यक्रम का किया गया शुभारम्भ राज्यमंत्री व अधिकारियों के द्वारा वृक्षारोपण कर जल वायु व पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश आक्सीजन व संतुलित पर्यावरण का बचाये रखने के लिये वृक्ष लगाना सभी की जिम्मेदारी -सुरेश राही समृद्ध एवं संतुलित पर्यावरण के लिये वृक्ष आवश्यक -जिलाधिकारी अभियान में निर्धारत 7507591 लक्ष्य के सापेक्ष 7507591 पौधो का किया गया पौधरोपण प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण अभियान के लक्ष्य के पूर्ति के लिये जनपद मीरजापुर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत पहाड़ी विकास खण्ड के मोहनपुर भवरख पहाड़ी पर आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रदेश के राज्यमंत्री कारागार सुरेश राही एवं नोडल अधिकारी अपर मुख्य सचिव प्राविधिक शिक्षा उ0प्र0 शासन कल्पना अवस्थी, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तत्पश्चात राज्यमंत्री कारागार एवं उनकी धर्मपत्नी नीशा राही के द्वारा पीपल, बरगद, आदि का पौध रोपित कर वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र, वन संरक्षक, जिला अध्यक्ष भाजपा बृज भूषण सिंह, जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजी0 राम लौटन बिन्द, ब्लाक प्रमुख पहाड़ी इन्द्रमणि पाण्डेय के अलावा अन्य जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों व स्कूली बच्चों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये राज्यमंत्री कारागार सुरेश राही ने उपस्थित सभी जन समुदाय व बच्चों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील करते हुये अंधा धुंध पेड़ो को कटान को रोकते हुये लोगो को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने हेतु

आगे आने की आवश्यकता हैं। उन्होने कहा कि कोई भी जन अभियान केवल सरकार व अधिकारियों की जिम्मेदारी न होकर बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी हैं तथा सभी लोग अपने जिम्मेदारी व दायित्व को समझते हुये अधिक से अधिक वृक्ष लगाये। उन्होने कहा कि घर, बगीचे या खुले स्थान पर जहां जिस भी पौधे की लगाने की आवश्यकता हो उसे लगाया जाय प्रत्येक वृक्ष में कुछ न कुछ औषिध मिलता हैं जो मानव, जीव, जन्तु किसी न किसी के काम अवश्य आता हैं। उन्होने कहा कि पौध लगाने के साथ ही उसे बचाने का भी संकल्प लेना चाहिये। वृक्ष कम होने के साथ ही पर्यावरण में आक्सीजन की भी कमी हो रही हैं यदि वृक्ष न लगाया गया तो आगे आने वाली पीढ़ी को आक्सीजन मिलना मुश्किल हो जायेगा। उन्होने सभी मीडिया बन्धुओ से अपील करते हुये कहा कि वे अपने आस पास कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाये। इसके पूर्व अपर मुख्य सचिव प्राविधिक शिक्षा कल्पना अवस्थी ने गांव के बच्चों के साथ वृक्षारोपण किया तथा उन्हे चित्रकला, आर्ट बुक व आर्ट बाक्स गिफ्ट के तौर पर प्रदान किया।राज्यमंत्री कारागार व अन्य अतिथियों का स्वागत व अभिनन्दन करते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि समृद्ध एवं संतुलित पर्यावरण को बचाये रखने के लिये वृक्ष का होना आवश्यक हैं। उन्होने कहा कि लोगो को ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाने हेतु प्रेरित किया जाय। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुरक्षित करने एवं स्वस्थ्य एवं निरोग जीवन जीने के लिये सभी को अधिक से अधिक वृक्ष लगाना चाहियें। पौधो को लगाने से ही हम अपने पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने भी लोगो से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील करते हुये बताया कि पुलिस विभाग के द्वारा प्रत्येक थाना एवं चिह्नित सार्वजनिक खाली जमीनो पर वृक्षारोपण कराया जा रहा हैं। कार्यक्रम में विभिन्न सी0बी0एस0सी0 व प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के द्वारा कराये गये प्रकृतिक चित्रण प्रतियोगिता में विजयी छात्र-छात्राओं को राज्यमंत्री कारागार व उपस्थित सभी अन्य अधिकारियों के द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इसके पूर्व जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यक्रम में राज्यमंत्री कारागार के पहुंचने पर पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत व अभिनन्दन किया गया।प्रभागीय वनाधिकारी अरविन्द राज मिश्र ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण लक्ष्य को पूर्ण करने के क्रम में जनपद मीरजापुर को 8875761 पौधे रोपित किये जाने का लक्ष्य शासन द्वारा निर्धारित किया गया गया हैं। जिसमें आज 22 जुलाई 2023 को आयोजित कार्यक्रम में 7507591 पौधरोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया हैं, शेष 1351110 पौध 15 अगस्त 2023 को अभियान चलाकर पौधरोपण किया जायेगा। लक्ष्य को पूर्ण करने के लिये वन विभाग सहित कुल 26 विभागो को वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया हैं। प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि इस अभियान में निर्धारत 7507591 लक्ष्य के सापेक्ष 7507591 पौधो को पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभानु सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 अजय प्रताप सिंह, डी0सी0 मनरेगा मो0 नफीस, उपायुक्त एन0आर0एल0एम अनय मिश्रा, क्वार्डिनेटर स्वच्छ भारत मिशन विनोद श्रीवास्तव एवं अरूण कुमार मिश्र के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन राजेन्द्र तिवारी उर्फ लल्लू तिवारी द्वारा किया गया।

छात्र नेताओं ने महाविद्यालय में 33% सीट बढ़ोतरी हेतु सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)

दुद्धी। भाउ राव देवरस पीजी कालेज में 33 ज्ञ् सीट बढ़ोत्तरी को लेकर छात्र नेताओं ने प्रभारी प्राचार्य रामसेवक यादव को ज्ञापन सौंपा और विभिन्न संकायों में 33 ज्ञ् सीट वृद्धि हेतु मांग उठाई।छात्र नेता शिवम ,अवनीश ,रितेश,प्रियांशु ,हर्ष व अभिषेक ने कहा कि महाविद्याल में सीट बढ़ोतरी नही होने से कई छात्र छात्रा पढ़ाई से वंचित रह जा रहे है और पढ़ाई छोड़ दे रहे है । इसलिये महाविद्यालय में सीटों की बढ़ोतरी नितांत आवश्यक है ।इसके बाद छात्र नेताओं ने विद्यायल प्रांगण में पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

दुद्धी को जिला बनाएं जाने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का कचहरी गेट पर किए प्रदर्शन, और किए नारेबाजी

(आधुनिक समाचार सेवा)

दुद्धी। दुद्धी को जिला बनाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारी तथा संयुक्त बार संघ के अधिवक्ताओं ने शनिवार की दोपहर तकरीबन 1 बजे कचहरी गेट के मुख्य द्वार पर जमकर प्रदर्शन कर नारेबाजी किया। मोर्चा के

पदाधिकारियों ने कहा कि दुद्धी को जिला बनाये जाने की मांग पिछले कई दशक से किया जा रहा है । दुद्धी को जिला बनाने की मांग को लेकर 30 घण्टे का भूख हड़ताल भी किया जा चुका है। पूर्व मे संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर दुद्धी को जिला बनाएं जाने की मांग के साथ ही साथ जिला बनने को लेकर आम लोगों की सरकार से जुड़े इच्छाओं व उम्मीदो से अवगत कराया गया था। दुद्धी जिला बनने के सभी मानक को भी पूरा कर रहा है। कहा कि सरकार को भारी मात्रा में रेवेन्यू दुद्धी से मिलता है फिर भी दुद्धी को जिला नही बनाया गया जो कि जनता से अन्याय है ।कहा कि विधान सभा चुनाव के दौरान प्रदेश व केंद्र के मंत्रियों व नेताओं ने दुद्धी को जिला बनाने का वादा किया था। इसलिए चुनावी वादा पूरा करते हुए दुद्धी को जिला बनाया जाए। इस अवसर पर दुद्धी बार संघ अध्यक्ष रामपाल जौहरी, अधिवक्ता प्रभु सिंह कुशवाहा, एडवोकेट कुलभूषण पांडेय, एडवोकेट रामलोचन तिवारी, अधिवक्ता प्रेमचंद, अधिवक्ता वरूणोदय जौहरी, एडवोकेट राकेश कुमार अग्रहरी, शकुंतला देवी, अमरावती देवी, प्रेम चन्द्र गुप्ता एडवोकेट राहुल अग्रहरी, सहित काफी संख्या में अधिवक्ता गण मौके पर मौजूद रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना पड़री में सुनी गयी जन समस्याएं

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। 22 जुलाई 2023- शासन के मंशानुरूप समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद के सभी थानों/कोतावाली में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र के द्वारा थाना पड़री में आये हुये फरियादियों की जन समस्याओं को सुना गया तथा त्वरित निस्तारण हेतु मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि आय, जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिये किसी भी लेखपाल के द्वारा पैसा मांगे जाने की शिकायत पर सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल द्वारा थाना पड़री में आये हुये फरियादियों की जन समस्याओं को सुना गया तथा उपस्थित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये गये। उन्होने कहा कि प्राप्त सभी शिकायतों का रजिस्टर पर सूचीबद्ध किया जाय तथा फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुये समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण करे, निस्तारण में गलत रिपोर्टिंग अथवा लापरवाही पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर थाना पड़री में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। थाना समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्र यथा- थाना को0कटरा पर 08 प्रार्थना पत्र प्राप्त निस्तारित 02, थाना विन्ध्याचल पर 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त 07 निस्तारित, थाना को0देहात पर 50 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना चील्ह पर 01 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना कछवां पर 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना पड़री पर 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त 04 निस्तारित, थाना लालगंज पर 32 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना हलिया पर 21 प्रार्थना पत्र प्राप्त 07 निस्तारित, थाना जिगना पर 33 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित , थाना ड्रमण्डगंज पर 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना सन्तनगर 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना चुनार पर 03 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना अदलहाट पर 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त 05 निस्तारित, थाना जमालपुर पर 03 प्राप्त, थाना अहरौरा पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना मड़िहान पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना राजगढ़ पर 04 प्रार्थना पत्र 02 निस्तारित तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को रवाना किया गया।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

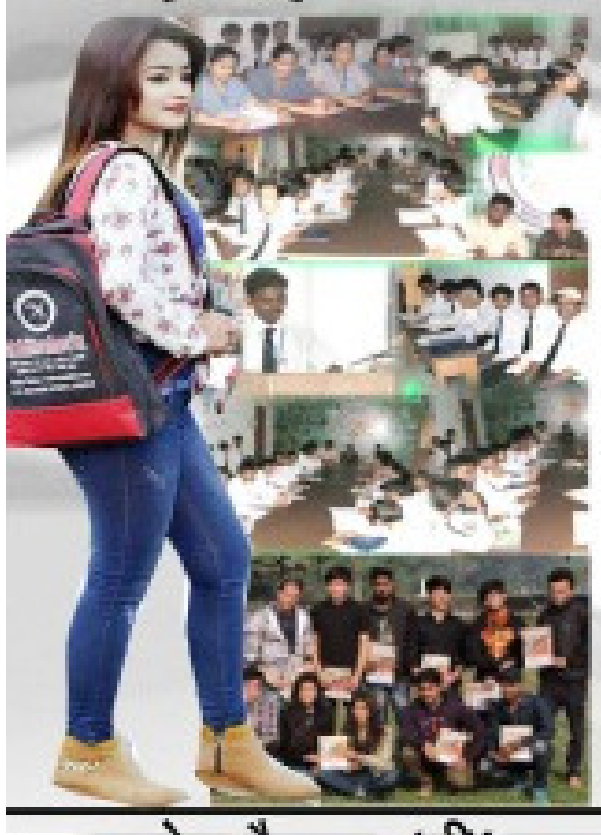

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.mainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

पुरामुफ्ती पुलिस के हत्थे चढ़ा किशोर की हत्या का आरोपी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। कमिश्नरेट प्रयागराज की पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा सनसनीखेज हत्या में वांछित आरोपी को आला कत्ल तमंचा, दो जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देश

पर थानाध्यक्ष पुरामुफ्ती उपेन्द्र प्रताप सिंह ने हमराही पुलिसकर्मियों के साथ शनिवार को मुखबिर की सूचना के आधार पर सनसनीखेज हत्या के आरोप में वांछित चल रहे आरोपी कामरान उर्फ कम्मू पुत्र शमीम अहमद निवासी ग्राम मरियाडीह थाना पूरामुफ्ती को घटना में प्रयुक्त आला कत्ल एक तमंचा, दो जिन्दा कारतूस व एक खोखा कारतूस के साथ थाना क्षेत्र के हटवा ईदगाह के पास से गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष पुरामुफ्ती उपेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि मोहम्मद ताहिर पुत्र जैनुलहक निवासी मरियाडीह थाना पूरामुफ्ती की सूचना के अनुसार मृतक साहिल का बड़ा भाई हारिश द्वारा चचेरी बहन रीजा पुत्री अबु सहमा (आरोपी का सगा भाई) से घर परिवार की मर्जी के बिना निकाह कर लिया था। 15 जुलाई को मोहम्मद साहिल बिक्री की गई भैंस के छः लाख रुपए माँगने हेतु मोहम्मद शाद पुत्र शमीम अहमद, मुन्ने पुत्र शमीम अहमद व कम्मू पुत्र शमीम अहमद के पास गंगा कछार में गया था वहाँ पर मौजूद तीनों लोग मोहम्मद साहिल के साथ बुरी तरह पेश आये और तीनों ने मिलकर तमंचा से गोली मार दी थी। जिससे उसकी मौके पर मृत्यु हो गई थी। थानाध्यक्ष उपेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए उक्त आरोपी के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के सहिरा गांव निवासी व्यक्ति का शुक्रवार को सुबह घर से 500 मीटर दूर पुलिया के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद हुआ। शव मिलने की जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल के बाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। परिजनों ने जमीन संबंधी और अन्य विवाद के चलते हत्या किए जाने की आशंका जताई।

ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। मिर्जापुर विंध्याचल थाना क्षेत्र के गैपुरा के पास ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। गैंगमैन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को रेल लाइन से हटवाकर उसकी शिनाख्त कराकर परिजनों को सूचना दी। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताई है।क्षेत्र के गोड़सर पांडेय निवासी विपुल पांडेय (18) पुत्र राजकुमार पांडेय इंटर का छात्र था। वह बजहा स्थित बद्री नारायण यादव इंटर कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था। बृहस्पतिवार की रात गैपुरा के पास ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। गैंगमैन अमित ने रेलवे के अधिकारियों और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर विंध्याचल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को रेल लाइन से हटवाकर उसकी शिनाख्त कराई। शव दो टुकड़ों में बंट गया था। जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

डीएम और एसपी ने संयुक्त रूप से किया वृक्षारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक मीरजापुर संतोष कुमार मिश्रा के साथ वृक्षारोपण जन अभियान 2023 के तहत पुलिस लाइन मीरजापुर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया । धरती को हरा-भरा बनाने एवं भावी पीढ़ियों को प्रदूषण मुक्त और सुरक्षित जीवन प्रदान करने हेतु पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन बहुत जरूरी हैं, वृक्ष लगाकर हम पर्यावरण एवं परिवेश को स्वच्छ तथा सुन्दर बना सकते हैं । वृक्षारोपण के इस महा अभियान को सफल बनाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में जनपद के सभी थानों एवं पुलिस चौकियों पर परिसर में वृहद स्तर पर पुलिसकर्मियों द्वारा फलदार, छायादार इत्यादि पौधों को लगाकर वृक्षारोपण किया जा रहा है । पुलिस लाइन में हुए वृक्षारोपण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन मीरजापुर सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे । पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ ! पर्यावरण संरक्षण की ओर कदम बढ़ाओ।

तीन बर्ष से लापता युवक को चोपन पुलिस ने किया बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। थाना चोपन पुलिस को मिली बड़ी सफलता, अथक परिश्रम/काफी खोजबीन के बाद तीन वर्ष से गुमशुदा युवक को पुलिस ने बरामद कर उसके परिजनों से मिलवाया, परिजनों में दौड़ी खुशी की लहर पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के कुशल नेतृत्व में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर महोदय सोनभद्र के पर्यवेक्षण में चलाये जा रहे गुमशुदा की तलाश अभियान के क्रम में आज दिनांक-22.07.2023 को थाना चोपन पुलिस की गठित टीम द्वारा अथक परिश्रम, काफी खोजबीन के बाद ग्राम सैनपुर, थाना बुढ़ाना, जनपद मुजफ्फर नगर से गुमशुदा सरजू पुत्र रामजीत निवासी अम्मा टोला, थाना चोपन, सोनभद्र को सकुशल बरामद किया । परिजनों द्वारा युवक की सकुशल बरामदगी पर पुलिस की भूरी-भूरी प्रंशसा की गयी । **गुमशुदा का विवरण-** अवगत कराना है कि लगभग तीन वर्ष पूर्व अपने गाँव के कुछ लड़को के साथ मेहनत मजदूरी करने के उद्देश्य से सरजू पुत्र रामजीत निवासी अम्मा टोला, थाना चोपन, सोनभद्र से बागपत के सुरूरपुर कला गाँव गया था, जहाँ से घर की याद आने के कारण एक दिन अचानक वहां से बिना बताये घर के लिए निकल गया, परन्तु कम शिक्षित होने के कारण घर का पता न बता पाने की वजह से घर नही आ पाया । जिससे परेशान होकर सरजू के परिजनो द्वारा थाना चोपन गुमशुदगी की सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया गया जिसके क्रम में दिनांक 29.09.2022 को थाना चोपन पर मु0अ0सं0 254/2022 धारा 370 भादवि का अभियोग पंजीकृत कराया गया । उक्त गुमशुदा की तलाश में पुलिस द्वारा तलाश गश्ती दूरदर्शन में प्रसारण व मल्टी मिडिया के माध्यम से तलाश का काफी प्रयास किया गया । उक्त गुमशुदा बालक के तलाश मे दिनांक 18.12.2022 को पहली बार थाना चोपन पर गठित पुलिस टीम जनपद बागपत, मेरठ, व इलाहाबाद तथा दिनांक 12.07.2023 को दुसरी बार जनपद बागपत, मेरठ व इलाहाबाद व आस-पास के जिलो मे तलाश करने गयी परन्तु सफलता नही मिली । इसी क्रम में पुनः दिनांक 12/7/2023को पुलिस टीम जनपद मुजफ्फर नगर को रवाना हुयी व अथक परिश्रम, काफी खोजबीन के बाद ग्राम सैनपुर, थाना बुढ़ाना, जनपद मुजफ्फर नगर से गुमशुदा सरजू उपरोक्त को बरामद किया गया, वहां से गुमशुदा व उसके परिजन से बात कराने पर गुमशुदा सरजू की पुष्टी होने पर पुलिस टीम गुमशुदा सरजू को अपने साथ लेकर थाना चोपन, जनपद सोनभद्र आकर उसके परिजनो को बुलाकर पहचान कराते हुए सरजु उपरोक्त को उसके परिजन को नियमानुसार सुपुर्द किया गया । दोनो पिता पुत्र एक दुसरे को देखकर मौके पर ही गले लग कर रोने लगें । **गुमशुदा का विवरण-** 1. सरजू पुत्र रामजीत गौड़ निवासी कोटा टोला, अम्मा टोला, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष । **बरामदगी की टीम-** 1. प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रताप सिंह, थाना चोपन सोनभद्र । 2. उ0नि0 त्रिभुवन राय, थाना चोपन, सोनभद्र। 3. आरक्षी केशव कुमार सरोज, थाना चोपन, सोनभद्र ।

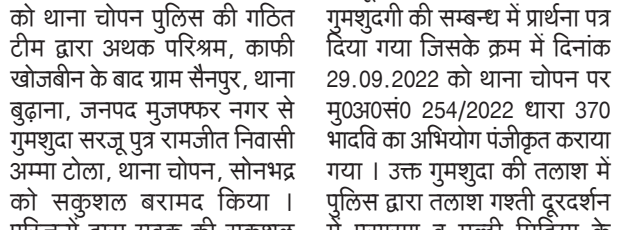

जनपद के समस्त थानों पर आयोजित किया गया थाना समाधान दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। थाना समाधान दिवस पर जनपद में प्राप्त कुल 227 प्रार्थना पत्रों में से कुल 51 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया द्वारा अपने थानों पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया । साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । जनपद में प्राप्त कुल 227 प्रार्थना पत्रों में से कुल 51 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया जबकि शेष बचे प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के सम्बंध में आवश्यकतानुसार कार्रवाई कर शीघ्र निस्तारण किया जायेगा ।

जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीमों द्वारा गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु दिए गए निर्देश जनपद के समस्त थानों पर ठथाना समाधान दिवसठ का आयोजन किया गया । समस्त अधिकारीगण

थाना रायपुर पुलिस द्वारा 04 किलो 200 ग्राम नाजायज गाँजा के साथ 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी व उसमें संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक-22.07.2023 को थाना रायपुर पुलिस द्वारा करौली चौराहे का पास से एक नफर अभियुक्त 1. अमरनाथ यादव पुत्र राम सेवक यादव निवासी धूमरदेव थाना चैनपुर जनपद भभुआ बिहार उम्र लगभग 27 वर्ष के कब्जे से 04 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया । उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 56/2023 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** अमरनाथ यादव पुत्र राम सेवक यादव निवासी धूमरदेव थाना चैनपुर जनपद भभुआ बिहार उम्र लगभग 27 वर्ष **बरामदगी का विवरण-** 04 किलो 200 ग्राम नाजायज गांजा । **गिरफ्तार करने वाली टीमः-** 1. उ0नि0 कमल नयन दुबे चौकी प्रभारी सरईगढ़ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र । 2. हे0का0 रामधनी राम थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 कैलाश नाथ पाण्डेय, थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 उपेन्द्र सिंह यादव, थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 5. हे0का0 सतेन्द्र कुमार, थाना रायपुर जनपद सोनभद्र । 6. हे0का0 विनोद सिंह यादव, थाना रायपुर जनपद सोनभद्र ।

ढोल नगाडो के साथ पौधो की निकली बारात साथ ही देवताओ कि हुई पुजा अर्चना

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। प्रदेश के समाज कल्याण विभाग राज्यमंत्री व नोडल अधिकारी/मण्डलायुक्त, विधायक सदर, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पौधा रोपकर, वृक्षारोपण जन आंदोलन 2023 का किया गया शुभारंभ जनपद में डमरू, ढोल, नगाड़ों के साथ पौधों की नकिली बारात, गौरी, गणेश, ब्रह्मा, विष्णु, महेश की हुई पूजा समाज कल्याण राज्य मंत्री, विधायक सदर, मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी व स्कूल के छात्र-छात्रा व समाज के संभ्रांत लोग बने बाराती भक्ति व देशभक्ति गीतों से गुंजायमान हुआ वातावरण पीपल, बरगद पाकड़ वृक्ष के सम्मिलित रोपण से हरिशंकरी रोपण होता है, जो परम पूण्य व परोपकारी होता है, इसके मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु तथा अग्र भाग में भगवान शिव का वास होता है-मंत्रीमा.मंत्री ने सभी जनपदवासियों से पौधा लगाने हेतु की अपील जनपद के पुलिस लाईन चुर्क के पास स्थित आयुष वन, ग्राम पकरी के ग्राम्य वन व प्रभागीय वनाधिकारी राबर्ट्सगंज कार्यालय व राजा शादरा महेश इण्टर कालेज में राज्य मंत्री, मण्डलायुक्त, विधायक सदर,जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विभिन्न प्रकार के पौधों का किया गया रोपण आज बृहद वृक्षारोपण जन अभियान 2023 के अंतर्गत पूरे प्रदेश में 22 जुलाई को 30.00 करोड़ पौधा रोपण एवं 15 अगस्त को 5.00 करोड़ पौधा रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसी क्रम में आज जनपद में प्रदेश के प्रदेश के समाज कल्याण विभाग राज्यमंत्री शसंजीव कुमार गौंड़, नोडल अधिकारी/मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी0, मा0 विधायक सदर भूपेश चैबे, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, व मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार आदि ने जनपद के विभिन्न स्थानों का चिह्नित कर वृक्षारोपण कर वृहद वृक्षारोपण अभियान का अपने कर कमलों से पीपल, पाकड़ व बरगद का पौधा रोपकर शुभारंभ किया। मंत्री ने आंवला, बरगद, पीपल, बेल, अशोक के पौधों की पंचवटी वाटिका तथा पीपल, पाकड़, बरगद के पौधों से बनाई गई हरिशंकरी वाटिका में भी वृक्षारोपण किया। पौध रोपण अभियान के अवसर पर जिले में पौध रोपण अभियान को जन आन्दोलन अभियान बनाने हेत डमरू, ढोल, व नगाड़ों के साथ बारात निकाली गयी, पौध रोपण के बारात से पूर्व गणेश, गौरी, ब्रह्मा, विष्णु, महेश की पूजा वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ शंख बजाकर की गयी, इस बारात में प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग राज्यमंत्री संजीव गौंड़,नोडल अधिकारी/मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी0, विधायक सदर भूपेश चैबे, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, व मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चैबे, ब्लाक प्रमुख सदर अजीत रावत सहित समाज के संभ्रान्त नागरिकगण व संस्थाओं के प्रतिनिधिगण व जनप्रतिनिधगण, स्कूल के छात्र-छात्राएं सम्मिलित रहें, इस खास बारात का उद्देश्य यह रहा कि जिला प्रशासन व वन विभाग की तरफ से पौध रोपण के प्रति लोगों को जागरूक करना था, यह बारात रामलीला मैदान से राजा शारदा महेश इण्टर कालेज तक डमरू, ढोल, नगाड़ें, डीजे के साथ भक्ति व देशभक्ति गीतों के साथ बारात निकाली गयी, देशभक्ति व भक्ति गीतों से वातावरण गुंजायमान हो गया, बारात के राजा महेश इण्टर कालेज पहुंचने पर घराती बने स्कूल के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर मा. मंत्री जी ने कहा कि वृक्षारोपण जन आन्दोलन अभियान की संवेदनशीलता तथा आवश्यकता अत्यधिक है, उन्होंने बताया कि इस हेतु यशस्वी मुख्यमंत्री योगी जी ने सभी जनपद में मंत्रियों को जनपद में जाकर वृक्षारोपण में सहभागिता करने के हेतु निर्देशित किया। वृक्ष वातावरण को शुद्ध करते हैं वायुमंडल के कार्बन को समाहित कर शुद्ध वातावरण देने के साथ, छाया व ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, मा. मंत्री जी ने विभिन्न धार्मिक ग्रंथों से उद्धरण देकर कहा कि मत्स्य पुरान के अनुसार मॉ पार्वती के श्रापवश भगवान विष्णु पीपल, महादेव शंकर को बरगद और सृष्टिकर्ता ब्रह्मा जी को पाकड़ वृक्ष बनाये गये हैं, इन तीनों पौधों के सम्मिलित रोपण को हरीशंकरी रोपण कहते हैं, परम पूण्य और परोपकारी कार्य है। उन्होंने इस दौरान सभी जनपदवासियों से अपील की है कि वह अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें और इस अभियान को जन आन्दोलन अभियान का रूप दें। इस दौरान मण्डलायुक्त/नोडल अधिकारी ने कहा कि जिन वृक्षों का रोपण आज किया जा रहा है, उन वृक्षों की सुरक्षा भी प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी बनती है, पौधों के रोपण के बाद वृक्ष के रूप में होने से वृक्ष वातावरण को शुद्ध करते हैं वायुमंडल के कार्बन को समाहित कर शुद्ध वातावरण देने के साथ, छाया व ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि हम जो भी पौधा लगाएं उसके साथ यह भी सुनिश्चित करें कि वह सुरक्षित रहें। उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य के सापेक्ष जनपद में 1 करोड़ 23 लाख पौधों का रोपण किया जाना है। इसी क्रम में 15 अगस्त को भी पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरितिमा एप के माध्यम से पौधों के जियो टैगिंग का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर ब्लाक सदर के अन्तर्गत ग्राम पकरी में मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी0 ने ग्राम वन का फीता काटकर उद्घाटन किया, इस दौरान जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चन्द्र पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी श्री शेषनाथ चैहान, डी0सी0 मनरेगा रमेश यादव, सहित ग्राम प्रधान व ग्राम के अन्य सम्मानित लोगों ने वृक्षारोपण किया। इस दौरान मण्डलायुक्त ने डी0सी0 मनरेगा को निर्देशित करते हुए कहा कि लगाये जा रहे वृक्षों की सुरक्षा भी बेहतर तरीके से की जाये, ग्राम वन का घेराव किया जाये, जिससे पौधें सुरक्षित रह सके। इस मौके पर उप जिलाधिकारी सदर निखिल यादव, डी0सी0 मनरेगा रमेश यादव, जिला पंचायत सदस्य मोहन कुशवाहा, प्रभागीय वनाधिकारी सोनभद्र सुरेश चन्द्र पाण्डेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांसु शेखर, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

थाना जुगैल पुलिस द्वारा दुष्कर्म एवं पाक्सो एक्ट के प्रकरण में 01 नफर बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथान लगाने एवं संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम आज दिनांक-22.07.2023 को थाना जुगैल पुलिस द्वारा मुखबीर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 45/2023 धारा 363, 376, 342, 506 भादवि व 5ठ/6 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित 01 नफर बाल अपचारी को पुलिस हिरासत में लेकर मा0 जुबेनाइल न्यायालय भेजा जा रहा है । पुलिस अभिरक्षा में लेने वाले अधि0/कर्म0गण का नाम - 1.थानाध्यक्ष श्री रामदरश राम, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र । 2.हे0का0 राधेमोहन कुशवाहा, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र । 3. हे0का0 विद्याधर यादव, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र ।

जे एस पी महाविद्यालय कसया कला सोनभद्र में कराया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। जे एस पी महाविद्यालय कसया कला सोनभद्र में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना, आईटीआई, फार्मेसी,बीटीसी एवं बी ए के छात्र छात्राएं आज दिनांक 22 जुलाई 2023 को महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के चिफप्राक्टर प्रो रतन लाल सिंह ने वृक्षारोपण को आज के परिवेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया बताते हुए कर्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों के द्वारा किया गया। इस मौके पर कदम, अमलतास, नीम, सहजन, आंवला, इमली, अर्जुन, जामुन, बेल, शीशम, अशोक, कनक चंपा, जकरांडा, पीपल, पाकड़, बरगद एवं अन्य शोभाकार प्रजातियों का रोपण किया गया। वृक्षारोपण अभियान 2023 के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों द्वारा कम से कम एक पौधे का रोपण किए जाना निश्चित किया गया है, जिसमें 22 जुलाई एवं 15 अगस्त को समेकित रूप से पौधा लगाया जाएगा। आज दिए गए टारगेट में से 50ज्ञ से ज्यादा टारगेट पूर्ण कर लिया गया है। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापक लक्ष्मी रमण पाठक, राजा राम सिंह, श्रीमती रंजू देवी, राजकुमार ,विकास कुमार मेहता, प्रदीप कुमार ,दिलीप पटेल प्राचार्य सरदार वल्लभभाई पटेल आईटीआई ,सत्य प्रकाश गौतम अधीक्षक पारस सिंह कॉलेज आफ फार्मेसी ,गवर्नमेंट सिंह अधीक्षक इंद्र प्रताप बीटीसी कॉलेज ,जयप्रकाश वर्मा कार्यालय अधिक्षक अभिमन्यु सिंह अधीक्षक जेएसपी महाविद्यालय, प्रोफेसर दिलीप कुमार ,राज मन ,के साथ साथ महाविद्यालय के कर्मचारीगण एवं भारी संख्या में छात्र छात्राये उपस्थित रहे।

शान्तिभंग में 11 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर किया गया चालान

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। थाना बभनी जनपद सोनभद्र पर भिन्न भिन्न विवाद में कुल 11 व्यक्तियों का चालान अन्तर्गत धारा 151/107/116 द0प्र0सं0 कर मा0 न्यायालय भेजा गया । अभियुक्तगण का विवरण निम्नवत है- चालान नं0 01 - प्रथम पक्ष के 1. खादिम हुसैन पुत्र स्व0 वीरमुहम्मद उम्र करीब 36 वर्ष निवासी ग्राम बडहोर थाना बभनी जनपद सोनभद्र। एवं द्वितीय पक्ष के 1.गफूर पुत्र स्व0 मिठोली उम्र करीब - 45 वर्ष, 2.मुन्ना उर्फ सत्तार पुत्र गफूर अली उम्र करीब - 26 वर्ष, 3.सलमान पुत्र गफूर अली उम्र करीब 19 वर्ष, 4.छोटू उर्फ हकीम पुत्र यार मुहम्मद उम्र करीब 20 वर्ष, 5.नजरे आलम पुत्र स्व0 जहीर अहमद उम्र करीब 45 वर्ष, 6.गुलाम मुहम्मद पुत्र अशरफ अली उम्र करीब 35 वर्ष, 7.सद्दाम हुसैन पुत्र जव्वाद अली उम्र करीब 22 वर्ष, 8.शमशेर अली पुत्र अलीम अंसारी उम्र करीब 22 वर्ष समस्त निवासी ग्राम बडहोर थाना बभनी जनपद सोनभद्र। चालान नं0 02 - एक पक्षीय 1.शिवधारी सिंह पुत्र स्व0 लालसाय उम्र करीब 23 वर्ष निवासी ग्राम जीगनहवा थाना बभनी जनपद सोनभद्र। चालान नं0 03 - एक पक्षीय 1. बृजेश गुप्ता पुत्र राजेन्द्र गुप्ता उम्र करीब 24 वर्ष निवासी ग्राम डूभा थाना बभनी जनपद सोनभद्र ।

हमने सरकार से ट्रायल में छूट नहीं मांगी एशियाई गेम में पहलवानों की डायरेक्ट एंट्र पर साक्षी मलिक का खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पहलवान साक्षी मलिक ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने कभी भी सरकार से ट्रायल में छूट नहीं मांगी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पहलवानों को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश देकर हमारी एकता को तोड़ने की कोशिश कर रही है पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि उन्होंने कभी भी सरकार से ट्रायल में छूट नहीं मांगी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पहलवानों को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश देकर हमारी एकता को तोड़ने की कोशिश कर रही है। कुछ दिन पहले मुझे भी सरकार की ओर से फोन आया थासाक्षी ने कहा, हमने तदर्थ समिति से हमारे ट्रायल्स को 10 अगस्त के बाद कराने का अनुरोध किया था, क्योंकि हम ट्रेनिंग नहीं कर पाए थे। हमें ट्रायल्स बाद में कराने का आश्वासन दिया गया था और इसलिए हम विदेश में ट्रेनिंग करने पहुंचे थे साक्षी ने किया इंकार मुझे कुछ दिन पहले सरकार की ओर से फोन आया कि हम बजरंग और विनेश को सीधे एशियाई खेलों मे भेज रहे हैं और आप भी मेल कर दो तो आपको भी ट्रायल से छूट दे दी जाएगी। लेकिन मैंने इससे इन्कार कर दिया। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने तर्क दिया- फोगाट और पूनिया का चयन छूट नीति के अनुरूप नहीं था त्दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि की जानकारी पेश करने का दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया आदेश।

ओलपिक समिति के मुख्यालय पर युवा पहलवानों ने किया प्रदर्शन, विनेश बजरंग की छूट वापस लेने की मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के ट्रायल से छूट देने के विरोध में कई युवा पहलवानों, उनके माता-पिता और कोचों ने गुरुवार को भारतीय ओलपिक समिति (आइओए) के मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और दोनों पहलवानों को दी गई छूट वापस लेने की मांग की। से बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के ट्रायल से छूट देने के विरोध में कई युवा पहलवानों के माता-पिता और कोचों ने प्रदर्शन किया है। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में शामिल रहीं कामनवेल्थ गेम्स की रजत पदक विजेता अंशु मलिक भी जूनियर पहलवानों के समर्थन में उतरीं। पहलवानों के परिवारवालों सहित लगभग 150 लोग आइओए की अध्यक्ष पीटी ऊषा और तदर्थ समिति के प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा से मिलने की मांग की। इस निर्णय को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती देने वाली अंतिम पंघाल के कोच विकास भारद्वाज ने कहा कि हम सभी आइओए के शीर्ष अधिकारियों से मिलना चाहते हैं। हम किसी भी तरह के पक्षपातपूर्ण फैसले को स्वीकार नहीं करेंगे। हम यहां पैनल से यह आग्रह करने आए हैं कि वह बजरंग और विनेश को दी गई छूट वापस ले। एशियाई खेलों मे जीतना सपना इस बीच, जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में शामिल रहीं कामनवेल्थ गेम्स की रजत पदक विजेता अंशु मलिक भी जूनियर पहलवानों के समर्थन में उतरीं। अंशु ने ट्वीट में कहा कि ओलिंपिक या एशियाई खेलों में पदक जीतना हर एथलीट का सबसे बड़ा सपना होता है, लेकिन अगर उन्हीं एथलीटों से अधिकार छीन लिया जाए तो क्या होगा। पहलवानों ने दिया धरना जूनियर पहलवानों की मांग बिल्कुल सही है और ये उनका अधिकार है। उधर, गोंडा के नंदिनी नगर कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के पहलवानों ने नाराजगी जताई है। आगरा की पहलवान सुधा बघेल ने कहा कि आइओए ने एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश के लिए धरना देने वाले पहलवानों को छूट दी है, इसका निष्पक्ष ट्रायल होना चाहिए। देश में इनसे भी अच्छे पहलवान हैं, उनको भी मौका मिलना चाहिए।

कोहला की दीवानगी तो देखिए डी सिल्वा के विकेटकीपर की मां ने लगाया गले, आंखों से छलक पड़े आंसू

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विराट कोहली की बल्लेबाजी का फैन पूरा जमाना है। हर देश में किंग कोहली के चाहने वाले मौजूद हैं और उनकी एक झलक पाने के लिए फैन्स का जमावड़ा लग जाता है। हर फैन की चाहत कोहली

संग फोटो लेने और उन पर जमकर प्यार लुटाने की होती है। ऐसा ही नजारा वेस्टइंडीज में भी देखने को मिला है, जहां कैरेबियाई विकेटकीपर जोशुआ डी सिल्वा की मां का विराट से मिलने का सपना साकार हुआ है। जोशुमा की मां ने कोहली से मिलते ही उन्हें गले से लगा लिया और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी बस से उतरते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में जैसे ही किंग कोहली बस से उतरते हैं, वैसे ही जोशुआ की मां विराट को रोककर उन्हें गले से लगा लेती हैं। इसके बाद वह पूर्व भारतीय कप्तान को गाल पर किस करती हुई भी दिखाई दे रही हैं। जोशुआ डी सिल्वा कोहली संग अपनी मां की फोटो खींचते हुए भी नजर आ रहे हैं। कोहली से मिलने के बाद वीडियो में जोशुमा की मां भावुक भी नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि विराट से मिलने का उनका सपना साकार हो गया। सचिन भी हुए कोहली के मुरी साल 2018 से चल रहे लंबे इंतजार को विराट कोहली ने शुक्रवार को खत्म कर दिया। लगभग पांच साल के बाद विदेशी सरजमीं पर विराट के बल्ले से टेस्ट क्रिकेट में शतक निकला। कोहली ने 206 गेंदों का सामना करते हुए 121 रन की शादनार पारी खेली और इस दौरान 11 चौके जमाए। पूर्व भारतीय कप्तान के बल्ले से निकली 76वीं सेंचुरी पर सचिन तेंदुलकर भी खुद को कोहली की तारीफ करने से रोक नहीं पाए।

500वें मैच में शतक जड़कर विराट ने हासिल किया खास मुकाम सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड चकनाचूर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विराट कोहली को बड़े मैचों का खिलाड़ी कहा जाता है। ऐतिहासिक मुकाबले में अपनी बल्लेबाजी से धाक जमाने की

विराट की आदत बड़ी पुरानी है। इसका ताजा उदाहरण पूर्व भारतीय कप्तान ने अपने 500वें इंटरनेशनल मैच में भी एकबार दिया है। विराट ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 121 रन की शानदार पारी खेली। इस सेंचुरी के साथ ही कोहली ने विदेशी धरती पर शतक के सूखे को भी खत्म कर दिया। कोहली ने खास मामले में सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ा है। दरअसल, विराट कोहली ने अपने 500वें इंटरनेशनल मैच में तीनों फॉर्मेट को मिलाकर 76वां शतक जमाया। विराट ने इसके साथ ही भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ दिया है। सचिन ने 500 इंटरनेशनल मैच खेलने के बाद अपने करियर में 75 शतक जमाए थे। वहीं, विराट ने सचिन से एक शतक ज्यादा जड़ दिया है। विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 500 मैच खेलने वाले महज चौथे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। कोहली से पहले यह मुकाम सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी और राहुल द्रविड़ ही हासिल कर सके हैं। विराट यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 9वें क्रिकेटर हैं। साल 2018 से चल रहे लंबे इंतजार को विराट कोहली ने शुक्रवार को खत्म कर दिया। लगभग पांच साल के बाद विदेशी सरजमीं पर विराट के बल्ले से टेस्ट क्रिकेट में शतक निकला। कोहली ने 206 गेंदों का सामना करते हुए 121 रन की शादनार पारी खेली और इस दौरान 11 चौके जमाए। विराट की लाजवाब पारी के दम पर भारतीय टीम पहली पारी में 438 रन बनाने में सफल रही। कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा ने 80 रन की तेज तर्रार पारी खेली, तो यशस्वी जायसवाल ने 57 रन का योगदान दिया। वहीं, रवींद्र जडेजा ने 61 और रविचंद्रन अश्विन ने 56 रन की दमदार पारी खेली।

डेब्यू के बाद मां से फोन पर बात करके भावुक हुए

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसेरे टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 438 रन बनाए। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज का स्कोर 86 रन पर 1 विकेट था। टीम इंडिया के एक युवा गेंदबाज मुकेश कुमार ने भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में अपना डेब्यू किया। त्रिनिदाद टेस्ट से पहले अश्विन ने मुकेश को डेब्यू कैप सौंपी। ऐसे में अब बीसीसीआई ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपने ट्विटर हैंडल पर मुकेश कुमार का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो को लोगों ने काफी पसंद किया है। बीसीसीआई ने कैप्शन देते हुए लिखा कि कोई सपना छोटा नहीं होता। मां से बात कर हुए भावुक- डेढ मिनट के लंबे वीडियो में मुकेश कुमार अपने टेस्ट डेब्यू के बाद अपनी मां से फोन पर बात कर रहे हैं। वीडियो की शुरुआत मुकेश के दरवाजा खोलने से हो रही है। इसके बाद मुकेश ने कहा कि आज मुझे डेब्यू कैप मिली 308, जो अश्विन बाई ने दी। यह मेरी जिंदगी सा सबसे जरूरी दिना था,इतने सालों की मेहनत मुझे आज जाकर उसका फल मिला।मुकेश ने अपनी माता को फोन किया और कहा कि इतने साल जो पूजा-पाठ आप कर रही थी, आज वो रंग ला/ा है। उन्होंने कहा कि वह बहुत खुश हैं। आज मैंने देश के लिए खेला, जिस पर मां ने जवाब दिया कि मैं आगे बढ़ते रहो, मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ है। इसके बाद मुकेश ने बताया कि उनकी मां को नहीं मालूम कि वह इंडिया के लिए खेलना क्या है, बस उन्हें यह मालूम है कि मेरा बेटा आगे बढ़ता रहे। मुकेश ने कहा मेरे लिए यह पल काफी खास है। वह मुझे अपना कलेजे का टुकड़ा बना के रखती हैं। मैं अपने एहसास को बयान नहीं कर सकता हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या बोलना चाहता हूं। खुशी से मेरे हाथ भी कांप रहे हैं। मैं बहुत खुश हूं।

अजिंक्य रहाणे की बड़ी कमजोरी को पूर्व क्रिकेटर ने किया उजागर, बोले सुधार कर लिया तो बन सकते हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में

अजिंक्य रहाणे का बल्ला अब तक खामोश रहा है। रहाणे पहले टेस्ट में बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे। वहीं, दूसरे टेस्ट की पहली पारी में भारतीय उपकप्तान के खाते में सिर्फ 8 रन आए। भारत के पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि रहाणे की बैटिंग में सबसे बड़ी कमजोरी निरंतरता की कमी है। जाफर के अनुसार, रहाणे अपनी फॉर्म को बरकरार रखने में सफल नहीं रह पाते हैं। वसीफ जाफर ने जियो सिनेमा के एक शो पर बातचीत करते हुए अजिंक्य रहाणे की बैटिंग को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा, ठरहाणे को अपने खेल में निरंतरता दिखानी होगी, जो 80 से 90 टेस्ट मैच खेलने के बाद भी उनकी समस्या रही है। निरंतरता एक समस्या रही है और उनको इससे पार पाना होगा, क्योंकि वह भारत के लिए रोहित शर्मा के बाद बतौर कप्तान अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं। रहाणे को रन बनाने होंगे और उसके बाद ही बाकी चीजें अनुभवी बल्लेबाज को फॉलो करेंगी।ठ पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज ने कहा कि रहाणे के पास भारत का अगला टेस्ट कप्तान बनने का अच्छा मौका था, लेकिन उन्होंने यह चांस अपनी खराब फॉर्म की वजह से गंवा दिया। वसीम जाफर ने कहा कि अगर रहाणे ऑस्ट्रेलिया की धरती पर मेलबर्न में खेली गई अपनी उस शतकीय पारी की फॉर्म को बरकरार रखने में सफल रहते, तो वह भारत के अगले कप्तान बन सकते थे। हालांकि, खराब फॉर्म की वजह से उनको टीम से बाहर भी जाना पड़ा। जाफर के अनुसार, भारतीय सेलेक्टर्स रहाणे में एक अच्छे लीडर की काबिलियत देखते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें लगातार रन बनाने होंगे।

कैरेबियाई खिलाड़ी भी निकला कोहली का दीवाना, शतक लगाने की करी गुजारिश, स्टंप माइक में कैद हुई बातचीत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीम इंडिया त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ 100वां अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच खेल रही है। नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र 2023-25 में करते हुए देखना चाहते थे। कोहली ने दूसरे पहले दिन का खेल खत्म होने तक 87 रन बनाए थे और दूसरे दिन कोहली ने अपना शतक पूरा किया। कोहली ने पहली पारी में 121 रन बनाए। वहीं, बल्लेबाजी पर विराट कोहली ने जवाब देते हुए पूछा कि ठ क्या तुम भी मेरे रिकॉर्ड को लेकर जुनूनी हो इस पर 25 वर्षीय विकेटकीपर ने हंसते हुए कहा, मुझे पता है कि मैं हूं, मैं चाहता हूं कि आप अपना 100

भारतीय टीम अपनी दो मैचों की सीरीज का दूसरा मैच खेल रही है। साथ ही स्टार बल्लेबाज विराट कोहली वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने करियर का 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे हैं। ऐसे में पूरी दुनिया में उनके फैंस एक बड़ी पारी की उम्मीद कर रहे थे, जिस पर कोहली खरे भी उतरे। ऐसे में खुद वेस्टइंडीज के खिलाड़ी भी कोहली को अपना शतक पूरा के दौरान कोहली की वेस्टइंडीज के विकेटकीपर से बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इससे कोहली की जबरदस्त फैन फॉलोइंग का अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल वेस्टइंडीज के विकेटकीपर जोशुआ दा सिल्वी ने मैच के दौरान कोहली से बातचीत की। जोशुआ ने कहा कि ठअपना शतक पूरा करो कोहलीठ, इस पर विराट कोहली ने जवाब देते हुए कहा कि मेरी मां कोहली की फेन हैं और अब वह कोहली को देखने के लिए स्टेडियम आ रही हैं। इसके बाद जोशुआ की मां ने कोहली से बात कर उन्हें गले लगाया और उनकी आंखो से आंसू निकल आए।

राशिफल

मेष-:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

ताश के पत्तों की तरह बिखरी बुलावायो ब्रेव्स ने की पारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ने जिम्बाब्वे में 20 जुलाई को जिम अफ्रो टी10 लीग की शुरुआत हुई। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जोबर्ग बफेलोज और बुलावायो ब्रेव्स के बीच ऐतिहासिक मैच में पहली बार फ्लड लाइट का इस्तेमाल किया गया। बुलावायो ब्रेव्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पांच टीमों के बीच खेले जा रहे लीग में जोबर्ग बफेलोज ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। कप्तान मोहम्मद हफीज ने 6 विकेट लेकर बुलावायो ब्रेव्स ने की बल्लेबाजी को फ्लॉप किया। कड़े मुकाबले में बफेलोज ने 10 रनों से जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए जोबर्ग बफेलोज ने की शुरुआत काफी खराब रही। विल स्मीड (4), कप्तान मोहम्मद हफीज (1), रवि बोपारा (1) और डेलानो पोटगिएटर (0) पहले तीन ओवरों में ही पवेलियन लौट गए। पहले नंबर पर बल्लेबाजी करने आए टॉम बैंटन ने 18 गेंदों में 4 चौके और 3 छक्के लगाकर 34 रन बनाए। बैंटन ने आउट होने से पहले मुश्फिकुर रहीम के साथ मिलकर 36 रनों की साझेदारी करके पारी को संभाला। इसके बाद रहीम ने नाबाद रहकर 46 रन बनाए और टीम को 7 विकेट के नुकसान पर 105 के स्कोर पर लाकर खड़ा किया।

सम्पादकीय

गरीबी उन्मूलन की उपलब्धि और यूएनडीपी की भारत की तारीफ का सबब

यूएनडीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2015-16 से 2019-21 के बीच भारत में गरीबों की संख्या में 38 फीसदी की गिरावट आई। इस दौरान ऐसा क्या खास हुआ कि गरीबी कम करने में अभूतपूर्व तेजी आई, जिससे यूएनडीपी को भारत की तारीफ करनी पड़ी! हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2023 रिपोर्ट में भारत की इस बात के लिए सराहना की गई है कि उसने गरीबी उन्मूलन में अन्य देशों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। वर्ष 2015 में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से एसडीजी1 में उम्मीद की गई थी कि दुनिया में वर्ष 2030 तक सभी प्रकार की गरीबी समाप्त हो जाएगी। वर्ष 2023 की रिपोर्ट में इस बात पर संतोष व्यक्त किया गया कि वैश्विक स्तर पर इस लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूएनडीपी गरीबी की एक परिभाषा का उपयोग करता है, जिसे बहुआयामी गरीबी कहा जाता है। यह परिभाषा सभी देशों के लिए समान है। विश्व के विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उपयोग की जाने वाली गरीबी की भिन्न-भिन्न परिभाषाओं के कारण गरीबी का एक समान आकलन संभव नहीं हो पाता है। इस कारण विश्व के विभिन्न देशों के बीच तुलना करना भी कठिन हो जाता है। यूएनडीपी के बहुआयामी गरीबी माप में कई तत्व शामिल हैं, जो सभी देशों में समान हैं। इसमें पोषण, बाल मृत्यु दर, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, रसोई ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास और संपत्ति शामिल हैं। विभिन्न देशों में डाटा की उपलब्धता के आधार पर अलग-अलग वर्षों में बहुआयामी गरीबी का अनुमान लगाया गया है। अतः यूएनडीपी के आंकड़ों से किसी एक वर्ष में विभिन्न देशों में गरीबी का तुलनात्मक अध्ययन संभव नहीं। विभिन्न देशों के लिए यूएनडीपी के पास उपलब्ध प्रारंभिक डाटा 2005-06 से 2019-21 तक है। इसलिए, रिपोर्ट में प्रकाशित आंकड़ों से यह पता लगाना संभव नहीं कि एक निश्चित अवधि के दौरान दुनिया के सभी देशों में तुलनात्मक रूप से गरीबी कितनी और कब कम हुई है। भारत के संदर्भ में, यूएनडीपी डाटा तीन वर्षों, 2005-06, 2015-16 और 2019-21 का विवरण देता है। इस डाटा के मुताबिक, भारत में वर्ष 2005-06 में 55.1 फीसदी आबादी यानी 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से पीड़ित थे। 10 साल बाद वर्ष 2015-16 में यह आंकड़ा 27.7 फीसदी यानी 37 करोड़ रह गया। इन 10 वर्षों के दौरान गरीबी के प्रतिशत में कमी की दर सालाना 6.6 प्रतिशत रही। लेकिन वर्ष 2015-16 से 2019-21 की अवधि में बहुआयामी गरीबी से पीड़ित गरीबों का अनुपात घटकर जनसंख्या का केवल 16.4 प्रतिशत रह गया; और गरीबों की संख्या घटकर 23 करोड़ रह गई। यानी सिर्फ पांच साल में 14 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए और गरीबी कम होने की रफ्तार बढ़कर सालाना 10 फीसदी से भी ज्यादा हो गई। यह बताना महत्वपूर्ण है कि 2015-16 और 2019-21 के बीच पांच वर्षों में गरीबों की संख्या में 38 फीसदी की गिरावट आई, जिसमें एक वर्ष से अधिक की सबसे खराब महामारी भी शामिल है। ऐसे में यह समझना जरूरी होगा कि इस दौरान ऐसा क्या खास हुआ कि गरीबी कम करने में अभूतपूर्व तेजी आई, जिससे यूएनडीपी को भारत की तारीफ करनी पड़ी! यह भारत के लिए तो अच्छी खबर है ही, दुनिया के लिए भी अहम खबर और सबक है। यूएनडीपी ने बहुआयामी गरीबी के जो प्रारंभिक आंकड़े प्रकाशित किए हैं, वे अलग-अलग वर्षों के हैं। यूएनडीपी द्वारा मूल्यांकन किए गए 81 देशों (जिनके बारे में एजेंसी ने डाटा प्रकाशित किया है) के 150.8 करोड़ गरीब लोगों में से 64.5 करोड़ लोग (2005-06 में) भारत से थे। यानी इन 81 देशों के 42.8 फीसदी से ज्यादा गरीब भारत में रहते थे। लेकिन यूएनडीपी के ताजा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के इन 81 देशों में गरीबों की कुल संख्या अब घटकर 97.4 करोड़ रह गई है, लेकिन इसमें उल्लेखनीय और दिलचस्प तथ्य यह है कि इस संख्या में भारत का योगदान केवल 23 करोड़ ही है। यानी अब इन 81 देशों के केवल 23.7 प्रतिशत गरीब लोग ही भारत से आते हैं। इसका मतलब यह भी है कि बहुआयामी गरीबी के तहत लोगों की संख्या में कुछ अन्य देशों का योगदान पहले से भी ज्यादा बढ़ गया है। इतना ही नहीं, जहां 81 देशों का संयुक्त बहुआयामी गरीबी सूचकांक अब 0.275 से घटकर 0.203 पर आ गया है, वहीं भारत का सूचकांक 2005-06 के 0.283 से घटकर 2015-16 में 0.122 और 2019-21 में सिर्फ 0.069 पर आ गया है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। यह भारत के लिए गर्व की बात है। दुनिया को इससे सबक लेने की जरूरत है ।

उत्तर पूर्व को हम कितना जानते हैं, मणिपुर से बहुत अलग है मिजोरम की कहानी

हमारे पास उनके लिए समय नहीं होता। वे क्या सोचते हैं, क्या बोलते हैं, क्या तूफान उनके भीतर चल रहे हैं, इसके लिए किसके पास समय है? मिजोरम के चकमा लोगों ने भेदभाव के विरुद्ध बंदूक, राइफल नहीं उठाई, बल्कि समर्थ बनने की प्रतिबद्धता दिखाई । मिजोरम में एक कारखाने के उद्घाटन के बाद जब एक मंत्री मित्र मिले और प्रवास समय है? हममें से कितने लोग वहां के अत्यंत मनोरम प्राकृतिक स्थानों के बारे में जानते हैं, या उन्हें उनके नाम याद हैं? उत्तर पूर्व के कितने महान व्यक्तित्वों या नदियों के नाम हम बता सकते हैं? क्या वहां के नामों का हम उच्चारण भी ठीक से कर सकते हैं मैंने मिजोरम के कुछ उन छात्रों की शिक्षा का प्रबंध किया था, जो आर्थिक दृष्टि में मिजोरम के ही भीतर 12 घंटे या ज्यादा भी लग सकते हैं। मेरे छात्र मिजोरम के अंतिम गांव सिलसुरी में रहते हैं, जो आइजोल से 180 किलोमीटर होगा। लेकिन वहां तक जाने के लिए कोई कैब वाला तैयार नहीं हुआ। सड़क नहीं, उबड़-खाबड़ मार्ग, बारिश (जो वहां साल में कभी भी होती है) इन सबसे सब डर रहे थे। आखिर एक ड्राइवर ही नहीं। कुछ और भीतर विक्रेता रहित दुकानें मिलीं। वहां सब्जियों जैसे सामान थे। एक छोटा-सा बक्सा रखा था। लोग आएं, सामान खरीदें, पैसा बक्से में डाल दें और चले जाएं। कोई देख-रेख नहीं, कोई बेईमानी नहीं। लोगों पर इतना विश्वास! कई बार बड़ा नोट होने पर ग्राहक बक्से से बाकी रेजगारी भी ले जाते हैं और बड़ा नोट डाल करने वाला कानून उन पर तब तक लागू नहीं होगा, जब तक मिजोरम विधानसभा उसको अंगीकार न कर ले। मिजोरम की जनसंख्या में 99 प्रतिशत ईसाई मिजो हैं। शेष एक प्रतिशत जनसंख्या में 0.8 प्रतिशत बौद्ध चकमा एवं थोड़े बहुत हिंदू व गैर ईसाई मूल मिजो हैं। चकमा गांवों में प्रायः बहुत कम विकास हुआ है। उनके लिए पृथक चकमा यात्रा के बाद उसका साजिक नदी से संगम होता है और साजिक के साथ, उसके प्रवाह के विपरीत बांग्लादेश की ओर 20 किलोमीटर-नदी मार्ग से प्रायः ढाई घंटे की यात्रा रोमांचक थी। मेरे साथ सिलसुरी गांव के श्री त्रोनी सेन चकमा ने इशारे से बताया कि सामने नदी के ऊपर बांग्लादेश राइफल्स की चौकियां हैं और उनका राजमार्ग नदी के ठीक ऊपर से गुजरता है, जहां से भारी वाहन दनादन निकलते हैं, तो हमारे कलेजे में चोट लगती है। भारतीय सीमा सुरक्षा बल को मीलों जंगलों में पैदल अथवा अनेक स्थानों पर जेसीबी की बकेट में जंगल पार करके मोर्चे की चौकियों तक गश्त हेतु जाना पड़ता है। मुझे याद आया, गत वर्ष ही केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मिजोरम के सीमांत क्षेत्रों को जोड़ने के लिए 6,600 करोड़ रुपयों की योजनाओं का श्रीगणेश किया था। आखिरकार 75 वर्ष बाद, मिजोरम शांति और महामार्गों के संजाल द्वारा आर्थिक विकास के नए सोपान तय करेगा। मैं अपने छात्र स्वागतम चकमा के घर रुका। बांस का सुंदर घर। उन्होंने मेरे लिए जंगल से बांस काटकर पृथक स्नानागार बनाया। एक अन्य छात्र मनोजीत चकमा की मां ने पंद्रह दिन अपने घर के काम-काज से समय निकाल कर मेरे लिए विशेष शाल बुना और उन्होंने मुझे भीगी आंखों से शाल दिया। यह शाल मिजोरम की एक मां द्वारा स्वयं बुना हुआ था, जो मेरे जीवन की सबसे मूल्यवान धरोहर बन गया है।मैं वहां दो दिन रहा, गांव, नदी, पहाड़ घूमा और मिजोरम की खट्टी-मीठी सुगंध समेटे लौटा। मिजोरम का दर्द एक ठहरे हुए, सांप्रदायिक घृणा के शिकार भेदभाव से जूझते क्षेत्र और एक महत्वाकांक्षी बौद्ध समाज के सपनों को लग रहे पंखों और नवीन राजमार्गों के निर्माण का संयुक्त प्रतीक है। चकमा लोगों ने भेदभाव के विरुद्ध बंदूक, राइफल नहीं उठाई, बल्कि समर्थ बनने की प्रतिबद्धता दिखाई।

की जानकारी दी, तो मेरा अनायास ही प्रश्न था, 'क्या आप स्थानीय सामान्य नागरिकों से भी मिले?' जाहिर है कि उनको अच्छा नहीं लगा। उत्तर पूर्व की यही समस्या है। हमारे पास उनके लिए वह समय नहीं होता, जो उनका परिचय करवा सके। वे क्या सोचते हैं, क्या बोलते हैं, क्या तूफान उनके भीतर चल रहे हैं, इसके लिए किसके पास से अति विपन्न थे। उनके गांव का हाल जानकर लगा कि वहां जाना चाहिए। दिल्ली से गुवाहाटी तक 28 घंटे की रेल यात्रा और वहां से आइजोल तक एक घंटा की उड़ान। सामान्य यात्री गुवाहाटी से आइजोल सड़क मार्ग से जाते हैं और 12 घंटे तक का समय लगता है केवल आइजोल पहुंचने में। वहां से आगे अनेक गांव ऐसे हैं, जहां तक पहुंचने रॉबर्ट सिलसुरी से 36 किलोमीटर पहले तक छोड़ने के लिए तैयार हुआ। केवल 4` 4 महेंद्र बोलेरो यहां चल सकती है, इतना बुरा हाल है। आइजोल से 153 किलोमीटर नापने में बोलेरो जैसी गाड़ी को 13 घंटे लग गए-कमर का हाल बुरा। लेकिन मार्ग के दृश्य इतने सुंदर, इतने नयनाभिराम कि कुछ भी खराब भाव मन में आया देते हैं। बीस वर्ष तक चली हिंसक विद्रोही गतिविधियों के बाद लालडेंगा के नेतृत्व में शांति समझौते पर भारत सरकार ने हस्ताक्षर किए और 20 फरवरी, 1987 के दिन पृथक मिजो प्रदेश बना, जिसे अपने धार्मिक, सामाजिक, जनजातीय कानून बनाए रखने की अनुमति है और केंद्रीय संसद की कोई भूमि व्यवस्था अथवा जनजातीय समाज को नियंत्रित स्वायत्तशासी परिषद् है, पर न तो पर्याप्त अनुदान मिलता है और न ही उसके नेता प्रभावी हैं। चकमा भाषा की अपनी लिपि है, वह भी नहीं पढ़ाई जाती। मिजो स्कूलों में या तो चकमा बच्चों को प्रवेश नहीं मिलता या उन पर शेष बहुसंख्यक ईसाई छात्र-अध्यापक फब्तियां कसते हैं। सुबह मुझे सिलसुरी जाना था। मार नदी में पांच किलोमीटर

भाषा की वर्षा-भंगिमा में भ्रम, भाषिक संपदा के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता

व्यक्तित्व की मृत्यु होती है, अस्तित्व की नहीं; हृदय की नहीं, जहां सत्य है, वैदिक मंत्र है, भारतीय मनीषा है, बुद्ध, कबीर और सदुरु का ज्ञान है। सत्य है। सत्य था नहीं। व्यक्ति कभी भी 'था' हो सकता है, सत्य नहीं। जीवन के अल्पतम सुख और अन्यतम आनंद की जिजीविषा हममें ऋतुओं की तरह है। इसे हम जब भाषा की गरिमा नहीं दे पाते, तो अपशब्द की दुर्नीति में गिर जाते हैं, घिर जाते हैं। इस दुर्नीति को का पुनर्नवा कर सकती है। अभी तो हम सिर्फ दो तरह की भाषा तक ही अपने को सीमित किए हुए हैं। एक, बोलचाल की भाषा और दूसरी, बोलचाल में मंतव्य की भाषा। ऐसी भाषा स्वयं प्रतीक है, क्योंकि भाषिक विन्यास में शब्द, प्रतीक या चित्र के अलावा और कुछ नहीं है। एक सहज उदाहरण से भाषा के अनर्थ को देखें। किसी भी तरह के संवाद के दौरान अक्सर हम कहते हैं कि वैदिक ऋषि, बुद्ध या कबीर में यह भ्रम तैयार करता है, मानो उसमें कोई व्यक्ति है और उस व्यक्ति का कोई व्यक्तित्व है। यह झूठा व्यक्ति अपने लिए एक झूठा संसार रचता रहता है। यह भाषा की वर्षा-भंगिमा का भ्रम है। मन को हृदय से यानी प्रेम से परहेज है। हम कबीर के बोल को उच्चार देते हैं और इशारा करते हैं, मानो वह अतीत में हुए। मंच से बोलते भी हैं कि आज से छह सौ साल पहले कबीर हुए या वह, मीरा, रविदास उसे अस्तित्व से परहेज है। उसे पता नहीं कि व्यक्तित्व की मृत्यु होती है, अस्तित्व की नहीं; हृदय की नहीं, जहां सत्य है, वैदिक मंत्र है, भारतीय मनीषा है, बुद्ध, कबीर और सदुरु का ज्ञान है। सत्य है। सत्य था नहीं। व्यक्ति कभी भी 'था' हो सकता है, सत्य नहीं। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि जब हम कबीर के किसी पद को कहें, तो स्वयं कबीर कहे? ऐसा हो सकता है, यदि हम मन को शब्द न दें। मन सुनिश्चित कर दी थी, ताकि हमें इतिहास देखना आए और हम मनमानी न कर सकें। यहां भाषा अपनी पवित्र गरिमा में है। वर्षा की तरह। आप गौर कर सकते हैं कि आकाश, वर्षा, हवा या आग इस पृथ्वी पर हो रही किसी भी घटना पर रिएक्ट नहीं करते। अप्रभावित रहते हैं। इस भाषा को जानने की जरूरत है। इसकी शुरुआत संबंधों से होती है। संबंधों की शुरुआत प्राप्त जीवन में इस तथ्य से होती रूपों का संबंध क्रियाशील चेतना के पहले से ही प्रेम संबंध है यानी प्रेम में संबंधित है और ऐसे संबंध की पवित्रता और गरिमा इसकी गोपनीयता में ही शाश्वत है। मन यानी वह झूठा व्यक्ति शब्दों से, अपशब्द भाषा से इसे नष्ट करता रहता है और घृणा, क्रोध, भय और दुख के बादल को जीवन में विस्तार देता रहता है। जो अभी नहीं, वह भ्रम है और जो अभी है, वही

राजनीति कह सकते हैं, मनुष्यता की अवनति तो कह ही सकते हैं। भाषिक संपदा का अपव्यय भारतीय धरती पर सबसे अधिक होता रहा है। इसका एक कारण यह हो सकता है कि हम अपनी इस पवित्र संपदा के प्रति सचेतन रहना भूल गए हैं। हमें पता ही नहीं कि हमारी भाषा सिर्फ बोलने या कहने तक ही सीमित नहीं है। यह सुनने के नए अर्थगर्भ रहस्य को किसी भी क्षण उद्घाटित कर सकती है, जीवन अमुक काल में हुए, या फिर पंचम वेद या रामायण-महाभारत अमुक काल में रचा गया या अभी भी वैदिक काल अस्पष्ट है। अर्थात हम वैदिक ऋषि, बुद्ध और कबीर को ऐतिहासिक व्यक्ति ही समझ कर रह गए। हमने इतने वर्षों में यह अनुभव ही नहीं किया कि ये इस तरह अभी हैं, जिस तरह वर्षा हो रही, या नदी बह रही। मनुष्य मन का एक ही अर्थ और संदर्भ है अतीत। इसी के बूते वह मनुष्य देह और अकबर के समय में हुए। हम स्वयं को देह समझते हैं, तो रामकृष्ण और रमन महर्षि को भी देह ही समझ लेते हैं। मन की यह अमानुषिक प्रवृत्ति है कि वह सत्य को भी गणित और राजनीति की तरह समझना चाहता है और अहंकार के अपारदर्शी पर्दे को और सघन करता रहता है। मन इस तरह व्यक्तित्व को अपशब्दों तक सीमित रखता है और प्रत्यक्ष सत्य को भाषिक गरिमा नहीं दे पाता। बिना शब्द के जी नहीं सकता। काशी में ऐसा अपनी डायरी में लिखकर गए शैवसाधक पंडित गोपीनाथ कविराज। जयशंकर प्रसाद की किसी रचना को हम कालजयी क्यों कहते हैं, और फिर रामायण-महाभारत-वेद और नाट्यवेद का समय टटोलने लगते हैं। किसी भी ग्रंथ का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य हो सकता है और इसीलिए वैदिक ऋषियों ने आधुनिक इतिहासकारों से बहुत पहले हमारी इतिहास दृष्टि है कि इस पृथ्वी पर सब कुछ एक-दूसरे से संबंधित हैं। आप चाहें, तो इसे अंतर्संबंधित कह लें। घास से लेकर आकाश तक, जिराफ से लेकर चींटी तक और मनुष्य से लेकर अनुद्घाटित मौन तक, सब कुछ एक दूसरे से अभिन्न ढंग से जुड़े हुए हैं। यह एक ही अव्यक्त मौन की व्यक्त गरिमा है। इसकी पवित्रता इसकी गोपनीयता में ही सुरक्षित है। इसलिए एक ही अस्तित्व के दो शाश्वत है। चेतना जब विदा लेती है, तो देह मृत है। फिर कुछ नहीं रहा। यह 'कुछ नहीं' चेतना के पहले से है, जब हमारा नहीं, देह का जन्म हुआ था समाप्त होने के लिए। यह 'कुछ नहीं' या विराट शून्य हम हैं, देह जन्म के पहले से, शक्ति की अकूत क्षमता और मौन भाषा की वर्षा-गरिमा में। यह रिएक्ट नहीं करता, ऐक्ट करता है। सृष्टि के प्रेम में।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन वक्त की जरूरत

आज सरकार अपील कर रही है कि घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करें। पर क्या सरकार यह जवाब दे सकती है कि अगर सोशल मीडिया की ताकत नहीं होती तो क्या प्रधानमंत्री आज बयान देने सामने आते क्या सुप्रीम कोर्ट को इस मामले की गंभीरता का पता चल पाता क्या जाएगा। गुनहगार कौन हैं कैसे उनका गुनाह तय होगा उन्हें क्या सजा मिलेगी? यह तो आने वाला समय बताएगा। फिलहाल क्या मणिपुर को बचाने के लिए सरकार वहां राष्ट्रपति शासन नहीं लगा सकती? मणिपुर की बीरेन सरकार अपने दायित्वों को पूरा करने में पूरी तरह असफल साबित हुई है। ऐसे में वहां के लोगों में विश्वास पैदा करने का एकमात्र उपाय राष्ट्रपति शासन है। सबसे बड़ा सवाल है कि जिस घटना ने प्रधानमंत्री को द्रवित कर दिया, जिस शर्मनाक घटना ने सुप्रीम कोर्ट तक को सकते में डाल दिया क्या उस घटना को मणिपुर सरकार ने अब तक दबाए रखा था? यह सवाल इसलिए लाजमी है क्योंकि घटना 4 मई की है। इसकी एफआईआर भी घटना के करीब दो हफ्ते बाद दर्ज है। उस एफआईआर में विस्तार से पूरी घटना को बताया गया है। ऐसे में यह तो कतई संभव नहीं कि वहां की पुलिस और प्रशासन सहित राज्य सरकार को पूरी घटना की जानकारी न हो। आज सरकार अपील कर रही है कि घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करें। पर क्या सरकार यह जवाब दे सकती है

पूरा देश यह जान पाता कि मणिपुर में स्थिति कितनी भयावह है मणिपुर में महिलाओं के साथ शर्मनाक और दरिंदगी भरी घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की राज्य सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है। सोशल मीडिया की शक्ति ही है कि आज प्रधानमंत्री को मणिपुर पर शर्मशार होना पड़ा और राज्यसभा के मानसून सत्र से पहले बयान देना पड़ा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जो भी गुनहगार होंगे उन्हें किसी भी सूरत में नहीं बख्शा

संक्षिप्त समाचार

रामबन में भूस्खलन होने से तीन घंटे बंद रहा श्रीनगर राजमार्ग

(आधुनिक समाचार सेवा)

जम्मू-कश्मीर। पुलिस ने राजमार्ग के खुलने के बाद सबसे पहले अमरनाथ यात्रा के जत्थे को घाटी की तरफ भेजा। जम्मू श्रीनगर हाईवे पर बार-बार पत्थर गिरने पर यातायात प्रभावित होते रहा। पत्थरों को हटा कर फिर से यातायात को शुरू करवाया जा रहा था। रामबन जिले में तेज बारिश के दौरान मेहाड़, कैफेटेरिया मोड़ और केला मोड़ में पस्सियां व पत्थर गिरने के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही घंटों तक प्रभावित रही। सुबह के समय करीब तीन घंटे तक राजमार्ग बंद रहा। राजमार्ग के खुलने के बाद पुलिस ने केवल अमरनाथ

यात्रियों के वाहनों को चलने की अनुमति दी। उधमपुर में रोक कर रखे गए ट्रकों को शाम तक घाटी जाने की अनुमति नहीं मिली। रोके जाने पर दिन भर ट्रकों के चालक व सह चालक परेशान रहे। वहीं, जम्मू से रवाना अमरनाथ यात्रा के जत्थे को करीब दो घंटे तक चंद्रकोट में रोक कर रखा गया है और राजमार्ग के खुलने पर घाटी की तरफ रवाना कर दिया गया। रामबन के कई हिस्सों में देर रात को ही बारिश शुरू हो गई थी और सुबह करीब साढ़े पांच बजे मेहाड़, कैफेटेरिया मोड़ और केला मोड़ इलाके में पस्सियां व पत्थर गिरने से राजमार्ग बंद हो गया। इसके बाद दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगना शुरू हो गई। जब पुलिस को इसका पता चला तो यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए काम शुरू कर दिया और फोरलेन राजमार्ग का निर्माण कर रही कंपनी की मशीनरी को राजमार्ग खोलने के कार्य में लगा दिया। इसी दौरान तड़के जम्मू से अमरनाथ यात्रियों का जत्था भी घाटी की तरफ रवाना कर दिया।

27 जुलाई से नोएडा स्टेडियम में स्वामी श्री रामभद्राचार्य करेंगे श्री राम कथा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। श्री रामराज फाउंडेशन और हनुमान सेवा न्यास की ओर से सेक्टर-21ए नोएडा स्टेडियम में रामकथा का आयोजन किया

जाएगा। इस कथा का वाचन प्रख्यात पद्मविभूषण जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य करेंगे। यह रामकथा शहर में 9 दिन तक चलेगी। इसकी जानकारी श्री रामराज फाउंडेशन और हनुमान सेवा न्यास की ओर से मीडिया प्रेस वार्ता के दौरान दी गई है। कार्यक्रम को लेकर तैयारी शुरू श्री रामराज फाउंडेशन ट्रस्ट के सदस्य अमित चौधरी ने बताया कि राम कथा को सुनने के लिए प्रतिदिन 20 हजार से अधिक भक्त नोएडा स्टेडियम में पहुंचेंगे। नोएडा स्टेडियम में पंडाल लगना शुरू हो गया है। पंडाल 500 मीटर लंबा और 100 मीटर चौड़ा बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रामकथा को सुनने आने वाले किसी भी राज्य के श्रद्धालुओं को परेशान होने की जरूरत नहीं है। संस्था की तरफ से उनकी रुकने की व्यवस्था की जाएगी। वहीं सुरक्षा के मध्य नजर पंडाल के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे। पंडाल के अंदर महिलाओं के लिए और पुरुषों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था होगी। इस कार्यक्रम के मीडिया संयोजक अवनीश सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य नोएडा में राम कथा भक्तों को सुनाएंगे। राम कथा नोएडा स्टेडियम में आयोजित होगी। जो 27 जुलाई से शुरू होकर 4 अगस्त तक चलेगी। इसका समय हर दिन दोपहर 3 बजे से शुरू होकर शाम 7 बजे तक होगा बाबरी केस में गवाही रही थी अहम रामभद्राचार्य का नाम हिंदू संत समाज में काफी आदर के साथ लिया जाता है। यह सम्मान उन्होंने अपनी विशेष काबिलियत से हासिल किया है। सुप्रीम कोर्ट में राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद में उनकी गवाही सुर्खियां बनी थीं। वेद-पुराणों के उद्धरणों के साथ उनकी गवाही का कोर्ट भी कायल हो गया था। श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में वे वादी के तौर पर उपस्थित हुए थे। ऋग्वेद की जैमिनीय संहिता से उन्होंने उद्धरण दिया था। इसमें सरयू नदी के स्थान विशेष दिशा और दूरी का बिल्कुल सटीक ब्योरा देते हुए रामभद्राचार्य ने श्रीराम जन्मभूमि की स्थिति बताई थी। जगद्गुरु के बयान ने फैसले का रुख मोड़ा कोर्ट में इसके बाद जैमिनीय संहिता मंगाई गई। उसमें जगद्गुरु ने जिन उद्धरणों का जिक्र किया था, उसे खोलकर देखा गया। सभी विवरण सही पाए गए। पाया गया कि जिस स्थान पर श्रीराम जन्मभूमि की स्थिति बताई गई, विवादित स्थल ठीक उसी स्थान पर पाया गया। जगद्गुरु के बयान ने फैसले का रुख मोड़ दिया। सुनवाई करने वाले जस्टिस ने भी इसे भारतीय प्रज्ञा का चमत्कार माना। एक व्यक्ति जो देख नहीं सकते, कैसे वेदों और शास्त्रों के विशाल संसार से उद्धहरण दे सकते हैं, इसे ईश्वरीय शक्ति ही मानी जाती है।

इनर व्हील महिलाओं की अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवार्थ संस्था का वर्ष 23 -24 में शताब्दी पूरा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 301 के नवसत्र का शुभारम्भ चेयरमैन उर्वशी मित्तल द्वारा दिल्ली के इस्कॉन सभागार में अनवरत के अंतर्गत किया। स्वसंचालित 90 क्लबों के नवनिर्वाचित अध्यक्षों को इनर व्हील बैज लगा कर सम्मानित किया।भेंट स्वरूप स्टील की व्यक्तिगत पानी की बोतलें दी व प्लास्टिक ना प्रयोग करने के निर्देश भी दिए। इनर व्हील क्लब नौएडा सिटी की अध्यक्ष मंजु सूद को कलब की सचिव ज्योति श्रीवास्तव ने कॉलर पहनाया नवनिर्वाचित चेयरमैन को भी सभी सदस्यों के संग मंजु सूद ने भी उन्हें सब की तरफ से एक फोटो फ्रेम, स्वरचित कविता सहित उपहार में दिया व सभी दर्शकों के समक्ष भी प्रस्तुत की। इस मौके पर इनरव्हील के सभी सदस्य मौजूद रहे।

बूढ़ा अमरनाथ यात्रा: पूरे यात्रा मार्ग पर रहेगी सुरक्षा बलों की तैनाता

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा चाक चौबंद रहेगी। पूरे यात्रा मार्ग पर सुरक्षा बलों की तैनाती रहेगी। जगह जगह नाके को मजबूत किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर और आसपास के इलाकों में कड़ी निगरानी रहेगी।यात्रियों को रास्ते में अखनूर, नौशेरा, सुंदरबनी, राजोरी, मंडी व पुंछ में मोबाइल शौचालय के साथ ही चिकित्सा व्यवस्था व अन्य प्रकार की सुविधाएं भी मिलेंगी। यह फैसला शनिवार को मंडलायुक्त रमेश कुमार तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह की अध्यक्षता में हुई तैयारी समीक्षा बैठक में किया गया। यात्रा 18 से 27 अगस्त तक चलेगी। बैठक में सुरक्षा, तीर्थ यात्रियों के परिवहन, लंगर (सामुदायिक रसोई) की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, स्वच्छता, पानी और बिजली की आपूर्ति, यातायात प्रबंधन और आवास व बोर्डिंग सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। पुंछ के उपायुक्त ने जिले में तीर्थयात्रियों को आवास प्रदान करने के लिए पहचान स्थानों के बारे में जानकारी दी। यह हिदायत दी गई कि सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। चिह्नित स्थानों पर स्वच्छ भोजन, नियमित पानी, बिजली की आपूर्ति और बेहतर स्वच्छता का प्रावधान रखा जाए। पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता को गड्ढे भरने और सड़कों पर दुरुस्त करने के लिए आवश्यक उपाय करने के लिए कहा। इशिवखोड़ी में भी जरूरी इंतजाम करने की हिदायत दी क्योंकि बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के बाद श्रद्धालु शिवखोड़ी पहुंचते हैं। बैठक में बाबा अमरनाथ और बूढ़ा अमरनाथ यात्री न्यास के पदाधिकारियों ने बताया कि यात्रा में बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की उम्मीद है। कड़ी निगरानी पर जोर एडीजीपी मुकेश सिंह ने एसएसपी को व्यापक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात, सुरक्षा चौकियों को मजबूत करने और तीर्थयात्रा के दौरान कड़ी निगरानी बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। बैठक में पुंछ, राजोरी और रियासी के उपायुक्तों के साथ एसएसपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

महिला आयोग ने तीन बार मांगी रिपोर्ट, मणिपुर ने नहीं दी अधिकारियों से मांगा घटना का जवाब

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मणिपुर में बीते करीब तीन महीने से जारी हिंसा के बीच राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने वहां के अधिकारियों से महिलाओं से संबंधित घटनाओं

पर तीन बार रिपोर्ट मांगीं लेकिन आयोग को कोई जवाब नहीं मिला। यह जानकारी राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा ने दी है। आयोग ने ये रिपोर्ट महिलाओं के साथ हुई हिंसक घटनाओं की शिकायतें प्राप्त होने पर मांगी थीं। जो शिकायतें प्राप्त हुई थीं वे दुष्कर्म और घरों को जलाने जैसे जघन्य अपराधों की थीं। रेखा शर्मा ने मणिपुर में चार मई को दो महिलाओं को नग्न रूप में घुमाने की घटना के संबंध में आयोग को 12 जून को शिकायत प्राप्त होने से इन्कार किया है। कहा कि इस संबंध में मीडिया के एक हिस्से ने गलत समाचार दिया है। चार मई की इस घटना का वीडियो 19 जुलाई को सार्वजनिक हुआ है। इसके बाद ही पूरे देश में हंगामा मच गया और मणिपुर पुलिस ने सक्रिय होकर आरोपितों को पकड़ना शुरू किया है। शर्मा ने कहा, आयोग ने वीडियो के आधार पर मामले का स्वत संज्ञान लेकर राज्य सरकार के अधिकारियों से घटना के संबंध में जवाब मांगा है। महिला आयोग की अध्यक्ष ने कहा, मणिपुर में हुई घटनाओं के संबंध में प्राप्त शिकायतों की वह राज्य प्रशासन से पुष्टि करवा रही हैं। ऐसा इसलिए जरूरी है क्योंकि कई शिकायतें मणिपुर से बाहर रहने वाले लोगों ने भेजी हैं और कुछ शिकायतें देश से बाहर के लोगों ने भेजी हैं। लेकिन बीते तीन महीनों में प्राप्त शिकायतों के संबंध में राज्य की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। महिला आयोग ने राज्य प्रशासन को 18 मई, 29 मई और 19 जून को पत्र लिखे हैं। ये पत्र राज्य के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव को लिखे गए हैं।

मणिपुर पहुंचीं डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष स्वाति मालिवाल पीएम मोदी और स्मृति ईरानी से की यह अपील

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मणिपुर पहुंच चुकी हैं। उन्होंने सीएम एन बिरेन सिंह से मिलने का समय मांगा है। इससे पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि मणिपुर सरकार ने यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाओं से मिलने के लिये राज्य की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी थी। इंफाल हवाईअड्डे पर पहुंचने के बाद डीसीडब्ल्यू प्रमुख स्वाति मालीवाल कहती हैं, 'मैं सीधे सीएम कार्यालय जाऊंगी, मैं मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से मिलना चाहती हूं। मैं यौन शोषण पीड़ितों से मिलना चाहती हूं और देखना चाहती हूं कि क्या उन्हें कानूनी सहायता, परामर्श या कोई मुआवजा मिला है। मैं मणिपुर

सरकार से अपील करती हूं कि मैं राज्य के लोगों की मदद करने के लिए यहां आई हूं, कृपया मुझे ऐसा करने की अनुमति दें। मैं यहां राजनीति करने नहीं आई हूं। मैं पीएम मोदी और महिला एवं बाल विकास मंत्री (स्मृति ईरानी) से मणिपुर आने का अनुरोध करती हूं। मैं राज्यपाल से भी मिलने की कोशिश करूंगी।'स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर भीड़ द्वारा दो महिलाओं को नग्न घुमाने का वीडियो सामने आने के कुछ दिनों बाद मणिपुर सरकार ने उन्हें हिंसा प्रभावित राज्य का दौरा स्थगित करने के लिए कहा। डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने दावा किया कि राज्य सरकार ने उनसे अपना दौरा स्थगित करने के लिए कहा क्योंकि राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति अच्छी नहीं है।

मणिपुर की हिंसा-हैवानियत पर संसद में चर्चा को लेकर सरकार और विपक्ष में तकरार जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच दो महिलाओं के साथ हुई हैवानियत को लेकर सरकार और विपक्ष की तकरार के चलते लगातार दूसरे दिन संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही हंगामे की वजह से नहीं चल पायी। विपक्ष दोनों सदनों में इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान के बाद ही चर्चा कराए जाने की मांग कर रहा है। वहीं सरकार अल्पकालिक चर्चा के बाद गृहमंत्री की ओर से जवाब दिए जाने का प्रस्ताव दे रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि मणिपुर की घटना पर देश के शर्मिंदा होने की बात कह प्रधानमंत्री ने सरकार की गंभीरता का संदेश दे दिया है। मगर विपक्ष ने रक्षामंत्री के तर्कों के बयान की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया। मणिपुर पर

को खारिज करते हुए सदन में पीएम सरकार और विपक्ष के बीच पीएम के बयान के साथ-साथ चर्चा कराए जाने के नियमों को लेकर भी रस्साकशी चल रही है। इसीलिए दोनों सदनों की कार्यवाही शुक्रवार को भारी हंगामे के कारण कई बार बाधित होने के उपरांत पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यस्थगन प्रस्ताव के जरिए मणिपुर पर बहस! राज्यसभा में विपक्ष नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव के जरिए मणिपुर पर बहस कराना चाहता है। सरकार नियम 176 के तहत अल्पकालिक चर्चा चाहती है। नियम 267 के तहत प्रावधान है कि सदन के सभी कामकाज को तुरंत स्थगित करते हुए संबंधित विषय यानि मणिपुर हिंसा पर तत्काल चर्चा कराई जाए।

20 से 24 जुलाई 2023; इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा जीआई हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों ने बड़ी संख्या में भीड़ का ध्यान खींचा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। एनसीआर - 22 जुलाई 2023 - जीआई फेयर इंडिया अपने दूसरे संस्करण में 20 से 24 जुलाई 2023 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे में आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल भारत और विदेशों से व्यापारिक ग्राहकों और आगंतुकों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि गुड़गांव और फ़रीदाबाद सहित दिल्ली एनसीआर के स्थानीय उपभोक्ता भी उत्साह के साथ इसमें हिस्सा ले रहे हैं आगंतुकों में कई गणमान्य अतिथि भी शामिल हुए। महाराष्ट्र के हिंगोली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सांसद माननीय हेमन्त पाटिल; किसान नेता एवं राष्ट्रीय कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष पूर्व विधायक पाशा पटेल और डॉ. रजनी कांत, पदमश्री सम्मान, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर / जनरल सेक्रेटरी, ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन, वाराणसी; ने भी मेले का दौरा किया। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में भारत सरकार के प्रतिनिधि और विशिष्ट अतिथियों में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में संयुक्त सचि श्री राजीव सक्सेना; भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय में निदेशक - डीपीआईआईटी,श्री रजत कुमार सैनी; भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालय के वरिष्ठ निदेशक श्री सोहन कुमार झा;राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं आईआरएस अधिकारी डॉ. आभा रानी सिंह; एवं इसी निगम के उपनिदेशक अनिल कुमार ने आयोजन में प्रमुख से शिरकत की। जीआई फेयर इंडिया का यह आयोजन भारत के सबसे उत्कृष्ट, सबसे कीमती और कुछ दुर्लभ उत्पादों का एक भव्य प्रदर्शन कर रहा है। हस्तशिल्प, कृषि उपज, मसालों, चाय और मसालों के उत्पादों के साथ यह उच्च-स्तरीय और प्रीमियम कॉर्पोरेट उपहारों की सोर्सिंग के लिए सबसे बेहतरीन मुकाम साबित हो रहा है। सजावट

और उपहारों के विकल्प के तौर पर इस आयोजन में लकड़ी के शिल्प, कांच के बर्तन, पत्थर के शिल्प से लेकर पिपली, हाथ से चित्रित कलाकृतियाँ,वस्तुओं मसाले, चाय और धूप में सुखाई गई कृषि उपज तक के उत्पादों की एक पूरी श्रृंखला मौजूद है। संग्रहणीय उपहारों की पैकेजिंग में से बहुत से उपहारों को उपभोक्ता की जरुरतों के हिसाब से अनुकूलित भी किया जा सकता है। मिठाइयों,पेय पदार्थों, फलों और पान के कुछ प्रदर्शक अपने उत्पादों का स्वाद चखने की पेशकश कर रहे हैं और इन प्रदर्शकों के यहां बड़ी संख्या में भीड़ देखी जा सकती है। बनारसी ब्रोकेड, असम के समृद्ध मुगा सिल्क, जीवंत जामनगरी बंधनी, गुजरात के पाटन पटोला, आंध्र के पोचमपल्ली इकत, बंगाल के बालूचरी और विभिन्न राज्यों के विभिन्न प्रकार के रेशम जैसे पट्टस (मुख्य रूप से शादियों के लिए), लखनऊ के चिकन शिल्प, मध्य प्रदेश के बाग प्रिंट, पंजाब की फुलकारी, कश्मीर की सोजानी कढ़ाई के साथ त्योहारी साड़ियों और पोशाक सामग्री को भी बड़ी संख्या में खरीदार मिल रहे हैं। बिहार की मधुबनी पेंटिंग, आंध्र प्रदेश की श्रीकालहस्ती कलमकारी, पश्चिम बंगाल की नक्शी कांथा, राजस्थानी कठपुतली, उत्तर प्रदेश की संभल सींग शिल्प आदि जैसे जीआई टैग वाले शिल्पों का लाइव प्रदर्शन भी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। दुनिया वर्तमान वर्ष को '2023 - बाजरा वर्ष (द इयर ऑफ द मिलेट)' के तौर पर मना रही है, इसी उपयुक्त अवसर पर जीआई फेयर इंडिया भी श्री अन्न थाली के माध्यम से इस जादुई भोजन को विभिन्न रूपों में पेश करता है। ऐसे में हर आगंतुक बाजरे के व्यंजनों का स्वाद ले सकता है, उन्हें बनते हुए देख सकता है और घर पर खाना पकाने के लिए श्री अन्न और अन्न कच्चा माल घर पर भी ले जा सकता है। 'निर्यात व्यवसाय का परिचयः मूल बातें, अवसर और चुनौतियाँ' और 'निर्यात लक्ष्य बाज़ारों के लिए पैकेजिंग सुविधा को अनलॉक करके उपयोगकर्ता अनुभव और पहुंच को बढ़ानेङ्क पर सेमिनार आयोजित किया गया और इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। डोमेन विशेषज्ञों ने निर्यात व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं और दस्तावेज़ीकरण, ऑनलाइन और ऑफलाइन मार्केटिंग रणनीतियाँ; ब्रांडिंग रणनीतियाँ कैसे विकसित करें; कारीगरों और उद्यमियों के लिए आईएमएल के इ नर्चर कार्यक्रम के लाभ के साथ-साथ ब्रांडिंग, बबल रैप के विकल्प, स्थिरता, नए बाजार की पहचान आदि पर विस्तार से चर्चा की। जीआई फेयर इंडिया 2023 सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक खुला रहता है और इसमें प्रवेश निःशुल्क है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आर.के. वर्मा ने बताया हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प समूहों में घर, जीवन शैली, वस्त्र, फर्नीचर और फैशन आभूषण और सहायक उपकरण उत्पादों के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों की जादू की ब्रांड छवि बनाने के लिए एक नोडल संस्थान है।

इस तरह से कैश निकासी पर लग सकता है 2 प्रतिशत का टीडीएस जानिए क्या है नियम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टैक्सपेयर के लिए आकलन वर्ष 2023-24 के लिए आईटीआर फाइल अनिवार्य है और अब तक 3 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न पहले ही दाखिल किए जा चुके हैं। सभी टैक्सपेयर को अब आईटीआर फाइल करने के लिए 2 हफ्ते से भी कम सा समय बचा है। आईटीआर पिछले वित्तीय वर्ष के लिए आपकी कर देनदारी का अंतिम आकलन है। साल के दौरान आपकी आय से कई तरह की कटौतियां होती हैं, जो अंतिम आईटीआर में समायोजित हो जाती हैं। विभिन्न टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) हैं। आपको बता दें कि नकद निकासी पर भी टीडीएस लगता है टीडीएस स्रोत के रूप में कर की कटौती है। उदाहरण के लिए, एक वेतनभोगी कर्मचारी को उसके टैक्स स्लैब के अनुसार लागू टैक्स में कटौती के बाद उसका वेतन मिलता है। आयकर अधिनियम, 1961 की

धारा 194ङ्क के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति द्वारा किसी विशेष वित्तीय वर्ष में अपने बैंक या डाकघर खाते से नकद में निकाली गई राशि तय सीमा से ज्यादा हो जाती है तो टीडीएस कटता है चलिए जानते हैं क्या है वो तय सीम 20 लाख रुपये या सभी के लिए आईटीआर दाखिल किया गया हो कितना लगता है टैक्स नकद निकासी पर टीडीएस निजी, सार्वजनिक और सहकारी, या डाकघरों सहित बैंकों द्वारा काटा जाता है। आपको बता दें कि नकद निकासी पर 2 प्रतिशत का टीडीएस (यदि पिछले तीन मूल्यांकन वर्षों से कोई आईटीआर दाखिल नहीं किया गया है) 1 करोड़ रुपये (यदि पिछले तीन मूल्यांकन वर्षों में से किसी एक लगता है।हालांकि यह टैक्स तब लागू होता है जब निकासी नकद 1 करोड़ रुपये से अधिक हो (यदि पिछले तीन निर्धारण वर्षों में से किसी एक या सभी के लिए आईटीआर दाखिल किया गया हो) या 20 लाख रुपये से अधिक हो (यदि पिछले तीन निर्धारण वर्षों के लिए आईटीआर दाखिल नहीं किया गया हो)। स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) भारत सरकार द्वारा आय के स्रोत पर कर एकत्र करने के लिए लागू की गई एक प्रक्रिया है। प्राप्तकर्ता को भुगतान करते समय भुगतानकर्ता द्वारा कर का एक निश्चित प्रतिशत काटा जाता है, और यह राशि फिर सरकार को भेज दी जाती है। टीडीएस आय श्रेणियों की एक विस्तृत श्रृंखला पर लागू होता है जैसे वेतन, एफडी पर ब्याज, किराया, कमीशन इत्यादि।

बवाल के लिए वरुण धवन की हो रही तारीफ, फैंस के लिए लिखा इमोशनल पोस्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 'दंगल' और 'छिछोरे' जैसी फिल्में देने वाले निर्देशक नितेश तिवारी की नई फिल्म 'बवाल' का ट्रेलर जब से सामने आया, तब से फैंस में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की जोड़ी से सजी इस मूवी को देखने का क्रेज बढ़ गया। ट्रेलर देखने के बाद मन में यही सवाल उठा कि वरुण और जाह्नवी की प्रेम कहानी को सेकंड वर्ल्ड वॉर से कैसे जोड़ा गया होगा। मगर फिल्म रिलीज होने के बाद दोनों की परफॉर्मेंस को जबरदस्त तारीफ मिली है। साथ ही कहानी को भी सराहा गया है। वरुण ने किया फैंस का शुक्रिया अदा 'बवाल' थिएटर्स में रिलीज ने होकर सीधे डिजिटल पर रिलीज हुई है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी यह मूवी यूनिक स्टार कास्ट और कहानी को लेकर सबकी नजरों में बनी हुई है। कुछ दिनों पहले सेलेब्स ने वरुण और जाह्नवी की तारीफ की थी। अब रिलीज के बाद लोगों को भी वरुण-जाह्नवी की एक्टिंग पसंद आई है। अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर वरुण धवन ने फैंस को बेशुमार प्यार के लिए शुक्रिया अदा किया है।वरुण धवन ने इंस्टाग्राम पर 'बवाल' को पसंद करने वाले सभी लोगों के लिए थैंक्यू मेसेज लिखा। उन्होंने लिखा, "अज्जू भैया ने माहौल बना दिया। बवाल को अपने दिल में जगह देने के लिए शुक्रिया। मुझे कभी भी मेरी किसी फिल्म के लिए इतने कॉल्स नहीं आए। इस फिल्म का लोगों पर जो प्रभाव पड़ा है, वह काबिलेतारीफ है। यह फेक इमेज को बदलने के लिए कॉन्वर्जेशन स्टार्टर वाली बात है। अज्जू और उसकी फैमिली को देखने और एंजॉय करने के लिए शुक्रिया। आप लोग हो यह कहानी है लखनऊ के हाईस्कूल में इतिहास के अध्यापक अज्जू भैया उर्फ अजय दीक्षित (वरुण धवन) और उनकी निशा दीक्षित (जाह्नवी कपूर) की। अज्जू दिखावत की जिंदगी पर भरोसा करते हैं। अपनी छवि को चमकाने के लिए आसपास के लोगों से झूठ ही झूठ बोलते हैं। यही निशा के साथ उनके बीच तकरार की वजह बनती है। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। जब अज्जू को नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब खुद को बचाने के लिए और परिजनों को खुश करने के लिए अज्जू यूरोप भ्रमण की योजना बनाता है। वह निशा के साथ द्वितीय विश्?वयुद्ध के घटनास्थल पेरिस, नारमैंडी, एम्सटर्डम, बर्लिन, पर जाता है। इन घटनास्थलों पर जाकर वह बच्चों को उसके बारे में बताता है।

'अली बाबा' एक्टर अभिषेक निगम को शीजान खान ने किया था कॉल, शो से रिप्लेस करने पर कही ये बात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। शीजान खान को टीवी शो अली बाबा ने खूब पॉपुलैरिटी दिलाई। तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में नाम आने के बाद शीजान खान को अली बाबा से हाथ धोना पड़ गया था। उनकी जगह शो में एक्टर अभिषेक निगम ने ली थी। शीजान खान ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ में काफी उतार- चढ़ाव देखें। तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में नाम आने के बाद उन्हें जेल जाना पड़ा। यहां तक कि उन्हें अपने शो अली बाबा से भी हाथ धोना पड़ गया। उनके बाद शो में एक्टर अभिषेक निगम को साइन किया गया। इस साल जनवरी में शीजान खान के जेल जाने के बाद उनकी जगह एक्टर अभिषेक निगम को साइन कर लिया गया। अब अली बाबा बंद हो गया है तो अभिषेक निगम ने खुलासा किया है कि शीजान खान ने उन्हें कॉल किया था जब उन्होंने एक्टर को रिप्लेस कर दिया था। अभिषेक निगम हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन के शो का हिस्सा बने, जहां उनसे अली बाबा को लेकर सवाल पूछे गए। शो से जुड़ने के बाद शीजान खान के परिवार से बात करने के सवाल पर उन्होंने कहा, ङ्घईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए कुछ भी मायने नहीं रखता था, लेकिन मेरे मन में ये चल रहा था कि शीजान इस बात को कैसे लेगा। उनकी पुष्टि की जरुरत थी, क्योंकि मैं उन्हें लंबे समय से जानता था। उन्होंने आगे कहा, ठहमने पहले एक शो किया था, हम दोनों का जिम में आमना- सामना होता था और वो काफी समय तक मेरे पड़ोसी भी थे। वो बहुत करीबी दोस्त नहीं थे, लेकिन दोस्त थे। इसलिए मैं सोचता था कि शीजान इस बारे में क्या सोच रहा होगा, क्योंकि वह पहले से ही बहुत कुछ झेल रहा था। अभिषेक निगम ने ये भी बताया कि शीजान खान ने एक बार उन्हें अज्ञात नंबर से फोन किया था और अली बाबा को साइन करने के लिए शुक्रिया कहा था। उन्होंने कहा, ठमैंने कॉल का जवाब दिया, उन्होंने कहा, 'हैलो अभिषेक' मैंने पूछा 'कौन बोल रहा है।' उन्होंने कहा, शीजान। इसके बाद मैंने उनसे पूछा 'आप कैसे हैं?' लाइफ कैसी चल रही है।' फिर शीजान ने कहा, 'मैं सिर्फ आपको धन्यवाद देना चाहता हूं, और मैं बहुत आभारी हूं कि आपने इस शो को आगे बढ़ाया।' उनसे ये सुनना मेरे लिए बहुत अच्छा था।ठ अभिषेक से बताया कि शीजान ने उनसे कहा,ठमैं तुम्हारे लिए बहुत खुश हूं, मैंने तुम्हारा लुक देखा।' तो उस दिन उसके फोन और उसकी बात ने कहीं न कहीं मुझे अंदर से बहुत सुकून दिया था। मैं निर्देशक के पास गया और उन्हें बताया कि मुझे शीजान का फोन आया था, और वो खुश है, क्योंकि मैं शो को आगे बढ़ा रहा हूं। हम सभी को उस दिन राहत मिली।

सिंगर नहीं बनना चाहते थे हिमेश, फिर सलमान खान की फिल्म से शुरू हुआ करियर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आज हिमेश रेशमिया एक जाना-माना नाम है। हिमेश इंडस्ट्री के उन कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने गायकी से लेकर अभिनय तक में अपना हुनर दिखाया है। उनके नाम कई हिट गाने हैं। खासकर, पार्टी सॉन्स में हिमेश का जवाब नहीं। अपने खास तरह के संगीत और निजी जिंदगी को लेकर वो खबरों में रहे हैं। कामयाबी हासिल करना उनके लिए आसान भी नहीं रहा। हिमेश रेशमिया सिंगर और कम्पोजर होने के साथ ही फिल्मों में एक्टिंग भी कर चुके हैं। हिमेश रेशमिया ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत सलमान खान की फिल्मों से किया था। बेहतरीन गानों के लिए 'फिल्मफेयर बेस्ट प्लेबैक सिंगर' जैसे अवार्ड्स से भी नवाजा जा चुका है। 'ओम शांति ओम' से पहले दीपिका को फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा ब्रेक हिमेश रेशमिया ने ही दिया था। हिमेश रेशमिया का जन्म 23 जुलाई 1973 को एक गुजराती परिवार में हुआ था। उनके पिता विपिन रेशमिया मशहूर संगीत निर्देशक थे। हिमेश 11 साल के थे, जब उन्होंने अपने भाई को खो दिया था। 'आशिक बनाया आपने', 'आपका सुरूर', 'झलक दिखला जा', जैसे हिट गाने देने वाले हिमेश सिंगर नहीं बनना चाहते थे। हालांकि, पिता की ख्वाहिश पूरी करने के लिए उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री ज्वाइन की। हिमेश रेशमिया की बॉलीवुड में करियर की शुरुआत सलमान खान की फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' से हुई थी। इसके बाद 'हेलो ब्रदर', 'दुल्हन हम ले जाएंगे', 'बंधन' और सबसे ज्यादा हिट एल्बम 'तेरे नाम' के साथ कई फिल्मों में कामयाबी के साथ संगीत दिया। जहां सलमान खान की फिल्म में म्यूजिक देने के लिए हिमेश रेशमिया मशहूर हुए, वहीं इमरान हाशमी के साथ उनका जोड़ी बेहद कामयाब रही। 'झलक दिखला जा', 'आशिक बनाया आपने', 'आप की कशिश', कई ऐसे हिट थे, जिनमें हिमेश रेशमिया ने इमरान हाशमी को अपनी आवाज दी थी। 12 गानों वाला एल्बम 'आप का सुरूर', एक साल तक हर म्यूजिक चार्ट में टॉप पर रहा, यह इंडिया में सबसे ज्यादा बिकने वाले म्यूजिक एल्बमों में से एक है। इसने रेशमिया को रातोंरात स्टार बना दिया। खबरों में रही निजी जिंदगी अपनी पहली पत्नी कोमल के साथ उन्होंने 22 साल के रिश्ते के बाद अलग होने का फैसला किया तो इसको लेकर खूब सुर्खियां बनीं। फिर साल 2018 में उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड सोनिया कपूर के साथ शादी रचाई। उनका यह फैसला कई लोगों के लिए चौंकाने वाला था। हिमेश रेशमिया और उनकी पहली पत्नी कोमल का एक बेटा है, जिसका नाम 'स्वयं' है।हिमेश के गानों में नेसल टोन के लिए उनकी खूब आलोचना होती थी। एक कॉन्सर्ट के दौरान जब उनके नाक से गाने की बात पर टिप्पणी की गई तो हिमेश ने कई बड़े कलाकार का नाम लेते हुए कहा कि इंडस्ट्री के महान कलाकार भी तो नाक से गाते हैं, उनके बारे में कभी कोई क्यों नहीं बात करता। इसमें जब लीजेंड्री म्यूजिक डायरेक्टर आरडी बर्मन का भी नाम आया तो आशा भोंसले ने कहा कि अगर कोई कहता है, बर्मन साहब नाक से गाते थे तो उसे एक जोरदार थप्पड़ मारना चाहिए। इसके बाद हिमेश ने आशा जी से अपनी गलती के लिए माफी भी मांगी। हिमेश की सिंगिंग एल्बम्स काफी लोकप्रिय रही थीं। उनके गानों में कई चर्चित हस्तियां नजर आती थीं। दीपिका पादुकोण फिल्मों से पहले हिमेश के गाने 'नाम है तेरा-तेरा' में नजर आ चुकी थीं। इस गाने के बाद उन्होंने फराह खान और शाह रुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' से डेब्यू किया था।

'मेड इन हेवन' का रीकैप वीडियो हुआ जारी, इस बार 'तारा' और 'फैजा' का होगा आमना- सामना

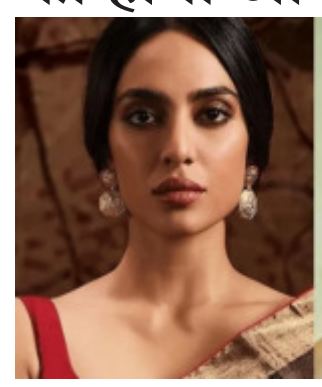

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। साल 2019 में आई अमेजन प्राइम वीडियो की बेव सीरीज मेड इन हेवन हिट रही थी। दर्शकों को सीरीज पसंद आई थी। वहीं, अब मेड इन हेवन के पहले सफल शानदार सीजन के बाद हाल ही में इसके दूसरे सीजन का एलान किया गया। इस बीच गुरुवार को प्राइम वीडियो ने सीरीज पहले पार्ट का एक रीकैप वीडियो जारी किया है, जिसमें कल्कि कोचलिन की आवाज बैकग्राउंड में सुनाई दे रही है। अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज मेड इन हेवन हिट रही थी। सीरीज को सोशल मीडिया पर काफी अच्छे रिव्यू मिले थे। दर्शक मेड इन हेवन की अगली सीरीज का इंतजार कर रहे थे। इस बीच हाल ही में प्राइम वीडियो ने मेड इन हेवन के पार्ट 2 की घोषणा की। अब सीरीज का एक रीकैप वीडियो भी रिलीज कर दिया गया है।मेड इन हेवन का यह रीकैप वीडियो क्लाइमैक्स के इर्द-गिर्द की कहानी को और गहरा करता है। वीडियो में पहले सीजन के अंत और कहानी को लेकर पैदा हुए सवालों को एक बार फिर से दोहराया गया ताकि सीरीज के फैंस की एक्साइटमेंट एक बार फिर बढ़ जाए। दरअसल जैसे ही मेड इन हेवन 1 में तारा (शोभिता धूलिपाला) को अपने पति आदिल (जिम सारभ) और उसकी बेस्ट फ्रेंड फैजा (कल्कि कोचलिन) के बीच अफेयर के बारे में पता चला, उसकी जिंदगी एक अहम मोड़ पर आ खड़ी होती है। अब दूसरे पार्ट में कहानी इसी के साथ आगे बढ़ेगी कि उनकी जिंदगियों में आए भूचाल ने क्या तबाही लाई है। क्या फैजा और आदिल अपने प्यार को आगे बढ़ाएंगे या फैजा अपनी इच्छाओं का मारकर तारा के लिए अपनी वफादारी को दिखाएगी मेड इन हेवन 2 को लेकर बात करते हुए कल्कि कोचलिन ने कहा, एक अभिनेता के रूप में, यह देखना बेहद सेटिस्फाइंग है ।

प्रदीप पांडेय चिंटू की भारत भाग्य विधाता का ट्रेलर हुआ रिलीज, पुलिस की लाइफ पर आधारित है फिल्म

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा हिंदी सिनेमा के लोगों की तरह धीरे-धीरे अपनी पैठ लोगों के बीच बना पाने में कामयाब साबित हो रही है। इंडियन ऑडियंस के बीच इस इंडस्ट्री का क्रेज बढ़ रहा है। भोजपुरी सिनेमा में कई रवि किशन, खेसारी लाल यादव, आम्रपाली दुबे जैसे टैलेंटेड स्टार्स हैं। इसी लिस्ट में दो नाम और शामिल हो गए हैं- प्रदीप पांडेय चिंटू और संचिता बनर्जी का भोजपुरी सिनेमा में कई एक्टर्स हैं जिनका स्टारडम बॉलीवुड के बड़े एक्टर्स से कम नहीं। ऐसे ही एक सुपरस्टार हैं प्रदीप पांडेय चिंटू जो अगस्त में भारत भाग्य विधाता लेकर आ रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर आउट हो चुका है। प्रदीप पांडेय चिंटू पुलिसवाले के रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म फुल एक्शन और रोमांच से भरपूर है। सुपर स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू और संचिता बनर्जी स्टारर भोजपुरी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' का ट्रेलर आउट हो गया है। फिल्म का ट्रेलर टीजर का विस्तार है, जिसमें एक बार फिर से प्रदीप पांडेय चिंटू छाए रहे। उनका एक्शन, उनके डायलॉग, उनके रोमांस का जादू भोजपुरी के दर्शकों पर भी छा गया है और ट्रेलर रिलीज होने के साथ वायरल हो रहा है। भारत भाग्य विधाता के ट्रेलर का रन टाइम 3:54 है, जिसकी प्रस्तुति पलक झपकने का वक्त तक नहीं देती है। फिल्म के ट्रेलर को बी4यू के वाइस प्रेसिडेंट संदीप सिंह ने तगड़ा बताया है और कहा कि कई अवॉर्ड शो में बेस्ट एक्टर रह चुके प्रदीप पांडेय चिंटू का रंग फिल्म के ट्रेलर में खूब चढ़ा है। पुलिस के रोल में होंगे प्रदीप पांडेय चिंटू 'जनता का जिससे नाता है, वही भारत का भाग्य विधाता है।' इस तरह एक से बढ़कर एक डायलॉग इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देने वाली है। फिल्म को लेकर प्रदीप पांडेय चिंटू ने कहायह फिल्म 18 अगस्त को रिलीज होगी। फिल्म में प्रदीप पांडेय चिंटू और संचिता बनर्जी के साथ भूपेंद्र सिंह, विनीत विशाल, उमेश सिंह धामा वर्मा मुन्ना सिंह साहिल शैख, पुष्पेंद्र सिंह संजीव मिश्रा और करिश्मा सैनी प्रमुख भूमिका हैं।

जीना यहां मरना यहां मुकेश के इन गीतों में छिपा है जिंदगी का फलसफा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा को अपने सुरों से सजाने वाले सिंगर मुकेश के सदाबहार गाने आज भी जब हमारे कानों तक पहुंचते हैं तो लगता है, दिल को चैन और मन को सुकून मिल गया। 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश चंद माथुर ने अपनी आवाज से सिनेमाई संगीत को नई पहचान दी। दिलों का जुड़ना हो या बिछड़ना, मुकेश के गाये गीतों की कशिश आज भी वैसी ही है। कहीं जीवन का फलसफा भी है। उनके कुछ यादगार गीत- आवारा हूं मुकेश का सबसे चर्चित गीत 'आवारा हूं' सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में आज भी मशहूर है। फिल्म आवारा के इस टाइटल गीत को कई विदेशी भाषाओं में बनाया गया था। 2013 में बीबीसी के एक पोल में इस गाने को ग्रेटेस्ट बॉलीवुड सॉन्ग ऑफ ऑल टाइम लिस्ट में दूसरा स्थान मिला था।मुकेश ज्यादतर राज कपूर जी को आवाज देने के लिए मशहूर थे, लेकिन उन्होंने दिलीप कुमार के साथ भी कई हिट गाने दिए थे। इनमें से एक था 'मधुमती' फिल्म का गाना 'सुहाना सफर'। आज भी किसी सफर में निकलो तो ये गाना अपने आप जुबान पर आ ही जाता है। वेटरन एक्ट्रेस नूतन और सुनील दत्त पर फिल्माया गया ये गाना, मुकेश और लता मंगेशकर की खूबसूरत जुगलबंदी के लिए जाना जाता है। ये गाना आज भी जब बजता है तो लोग अपने आप ही 'सोर' और 'शोर' के लाइन को बार-बार गाने लगते हैं। 'आनंद' फिल्म का यह क्लासिक गीत राजेश खन्ना पर फिल्माया गया था। गाने के बोल लिखे थे योगेश ने और कम्पोज किया था सलिल चौधरी ने। ऐसा लगता है यह गीत भावनाओं का समुंदर है।

बॉलीवुड की इन अभिनेत्रियों ने करियर की शुरुआत में ही शादी कर ली थी, बिग सरप्राइज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अक्सर बॉलीवुड स्टार्स को शादी के सवाल पर 'नो कमेंट्स' कहकर मीडिया को टालते देखा गया है। खासकर, बॉलीवुड अभिनेत्रियों को, क्योंकि कई बार शादी को बॉलीवुड एक्ट्रेसेज के लिए करियर का अंत माना जाता है। लेकिन कुछ अभिनेत्रियों ने इस धारणा को गलत साबित किया। दरअसल, कई ऐसी प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्रियां हैं, जो बॉलीवुड में कदम रखते ही और यहां तक कि बॉलीवुड में आने से पहले ही शादीशुदा थीं। अक्सर बॉलीवुड स्टार्स को शादी के सवाल पर 'नो कमेंट्स' कहकर मीडिया को टालते देखा गया है। खासकर बॉलीवुड अभिनेत्रियों को क्योंकि कई बार शादी को बॉलीवुड एक्ट्रेसेज के लिए करियर का अंत माना जाता है। कुछ अभिनेत्रियों ने इस धारणा को गलत साबित किया। दरअसल कई ऐसी प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्रियां हैं जो बॉलीवुड में कदम रखते ही और यहां तक कि बॉलीवुड में आने से पहले ही शादीशुदा थीं। इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है मशहूर एक्ट्रेस डिंपल कपाडिया का। दिग्गज एक्टर राजेश खन्ना की पत्नी बनीं डिंपल कपाडिया ने 'बॉबी' की रिलीज के पहले ही संग सात फेरे ले लिये थे। शादी के वक्त डिंपल सिर्फ लगभग 16 साल की थीं और राजेश खन्ना 30 साल के। 27 मार्च, 1973 को 'बॉबी' की रिलीज के ठीक 6 महीने डिम्पल और राजेश खन्ना ने शादी कर ली थी। फिर साल 1974 में पहली बेटी ट्विंकल और साल 1977 में अपनी दूसरी बेटी रिंकी को जन्म दिया। हालांकि, साल 1982 में राजेश खन्ना और डिम्पल अलग भी हो गए और उन्होंने फिर अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत भी की।आज भी दिव्या भारती का नाम बॉलीवुड के खूबसूरत और टैलेंटेड अभिनेत्रियों में शामिल है। उनकी अचानक मौत ने हर किसी को हिलाकर रख दिया था। 18 साल की कम उम्र में दिव्या का करियर पीक पर था, जब उन्होंने फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला से शादी की, लेकिन एक साल बाद ही 19 साल की कम उम्र में दिव्या ने सभी को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। चुलबुली नीतू कपूर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। नीतू कपूर सिर्फ 22 साल की थीं, जब उन्होंने कपूर खानदान के चिराग ऋषि कपूर से शादी की। नीतू का करियर भी उस वक्त काफी परवान चढ़ रहा था, लेकिन उन्होंने प्यार और परिवार को चुना। ऋषि और नीतू की जोड़ी ने जितना कमाल फिल्मों में किया था, उतना ही करीब वे रियल लाइफ में भी थे। मशहूर अभिनेत्री मौसमी चटर्जी अपनी बेहतरीन फिल्मों के लिए आज भी जानी जाती हैं। उनकी जोड़ी विनोद मेहरा, संजीव कुमार, राजेश खन्ना, जीतेन्द्र, शशि कपूर जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ खूब हिट रही, लेकिन आपको बता दें कि मौसमी चटर्जी ने बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही जयंत मुखर्जी के साथ शादी रचा ली थी। वो अपनी पहली फिल्म 'अनुराग' से पहले ही शादी के बंधन में बंध चुकी थीं। अपने क्यूट लुक और बेहतरीन अभिनय से सबका दिल जीतने वाली अदिति राव हैदरी ने बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही सत्यदीप मिश्रा से शादी कर ली थी। साल 2006 में दोनों की शादी हुई, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चल सका और शादी के एक साल में ही दोनों का तलाक भी हो गया। फिर साल 2008 में अदिति राव हैदरी ने दिल्ली 6 (अत्प् 6) से बॉलीवुड में एंट्री की। अदिति ने फिर कभी दोबारा पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा और भूमि, बॉस, रॉक्स्टार, पद्मावत जैसी बड़ी फिल्में की।

'तनाव' से 'द नाइट मैनेजर' तक, विदेशी शोज का अडेप्टेशन हैं ये वेब सीरीज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पैनडेमिक के बाद से ओटीटी और वेब सीरीज का एक नया चलन दर्शकों के बीच काफी प्रचलित हुआ। अब लोग वीकेंड के इंतजार में रहते हैं कि कब कोई नई वेब सीरीज रिलीज हो। चाहे वो थ्रिलर हो, क्राइम हो, कॉमडी हो या कोई अलग कैटेगरी, लोगों को वेब सीरीज में एक नया मनोरंजन मिल रहा है। फिल्मों से हटकर इन वेब सीरीज का कंटेंट काफी नया और फ्रेश है। कई ऐसी इंडियन वेब सीरीज ऐसी हैं, जिन्हें किसी विदेशी शो से अडेप्ट किया गया है। डिज्नी प्लस हॉटस्टार की बेहद लोकप्रिय सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' के तीन सीजन आ चुके हैं। यह एक ब्रिटिश ड्रामा का अडेप्टेशन है। शो में पंकज त्रिपाठी वकील के लीड रोल में नजर आते हैं। इसका पहल सीजन 2019 में आया था। 2. द गुड वाइफ दिग्गज अभिनेत्री काजोल की वेब सीरीज 'द ट्रायल' रॉबर्ट किंग और माइकल किंग की अमेरिकन सीरीज का हिंदी वर्जन है। अमेरिकन सीरीज का नाम 'दी गुड वाइफ' था। द ट्रायल को सुपर्ण एस वर्मा द्वारा डायरेक्ट किया गया है।काजोल की तरह ही अजय देवगन भी एक वेब सीरीज में नजर आए थे, जिसका नाम है 'रुद्र- द एज ऑफ डार्कनेस'। यह एक क्राइम थ्रिलर शो था, जो ब्रिटिश सीरीज 'लूथर' का ऑफिशियल रीमेक है। 'रुद्र- द एज ऑफ डार्कनेस' को हॉटस्टार पर रिलीज किया गया था। 4. आर्या बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन के कमबैक के तौर पर मशहूर सीरीज 'आर्या' एक डच ड्रामा 'पेनोजा' का हिंदी ऐडेप्टेशन है। इसका पहला सीजन साल 2020 में और दूसरा सीजन साल 2021 में रिली किया गया था। हालांकि, इसे काफी मिले-जुले रिऐक्शन मिले थे। यह शो भी डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर मौजूद है।अनिल कपूर और आदित्य रॉय कपूर की वेब सीरीज 'द नाइट मैनेजर' के दो सीजन आ चुके हैं और दोनों को दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। यह वेब सीरीज जॉन ले कैरे (रदप्ह त मैं) के नॉवल पर आधारित ब्रिटिश टीवी सीरीज का ऐडेप्टेशन है। ब्रिटिश टीवी सीरीज का नाम भी 'द नाइट मैनेजर' ही था। 6. योर ऑनर जिम्मी शेरगिल की वेब सीरीज 'योर ऑनर' इजराइली टीवी शो 'क्वोदो' से प्रेरित है। कैसे एक जज अपने बेटे के जुर्म को छुपाने और उसे बचाने की कोशिश में लग जाता है, यही है इस पूरी वेब सीरीज की कहानी। जज का बेटा क्या जुर्म करता है क्या जज अपने बेटे को बचा पाता है? क्या उसका बेटा सच में गुनहगार होता है? ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब आपको इस वेब सीरीज को देखने के बाद मिलेंगे। 7. तनाव 'तनाव', 'फौदा' नाम की इजराइली सीरीज का हिंदी रीमेक है। इसमें मानव विज, एकता कौल मुख्य भूमिका में हैं और यह सीरीज सोनी लिव पर मौजूद है। यह कुल 12 एपिसोड की सीरीज है। 8. राणा नायडू हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई क्राइम वेब सीरीज 'राणा नायडू' इंग्लिश सीरीज 'रे डोनोवन' का ऐडेप्टेशन है। राणा नायडू में दिग्गज कलाकार दग्गुबटी वेंकटेश और राणा दग्गुबटी मुख्य भूमिका में हैं। 9. दुरंगा कोरियन ड्रामा आजकल कई लोगों का पसंदीदा बांटा जा रहा है। जी 5 की वेब सीरीज 'दुरंगा' भी एक ऐसी सीरीज है, जो कि एक कोरियन ड्रामा 'फ्लॉवर ऑफ ईविल' का ऐडेप्टेशन है। गुलशन देवैया और दृष्टि धामी 'दुरंगा' में मुख्य भूमिका में हैं। लोगों के दूसरे भाग का काफी बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में अभिनेता गुलशन देवैया ने अपने सोशल मीडिया में एक पोस्ट के जरिए इसके दूसरे पार्ट के जल्द दस्तक देने का संकेत भी दिया है। 10. होस्टेजेज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर मौजूद क्राइम ड्रामा 'होस्टेजेज' भी एक इजराइली शो का हिंदी वर्जन है। इसमें रोनित रॉय और टिस्का चोपड़ा मुख्य भूमिका में थे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।